www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 विश्व के लिए खतरनाक होगा टैरिफ का दांव, भारत को अपनी कूटनीति पर लगाना होगा दांव

ट्रम्प ने ओबामा की गिरफ्तारी का एआई वीडियो शेयर किया 06

वर्ष :17 | अंक :111 | प्रयागराज ,मंगलवार , 22 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

आत्मदाह से हुई मौत की न्यायिक जांच की मांग, बीजद नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

सैकड़ों बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ओडिशा के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में राजस्व संभागीय आयुक्तों के कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया और 12 जुलाई को बालासोर में एक छात्रा की आत्मदाह से हुई मौत की जांच के लिए न्यायिक पैनल के गठन की मांग की। विधायकों सहित विपक्षी नेताओं ने कटक, बरहामपुर और संबलपुर में आरडीसी कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया तथा उड़ीसा उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायालय की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग की। कटक में आरडीसी कार्यालय के पास प्रदर्शन में शामिल होते हुए बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने आरोप लगाया त्र ने उच्च पदों पर बैठे कई महत्वपूर्ण लोगों से मदद मांगी थी। लेकिन उनमें से कोई भी छात्र की मदद के लिए आगे नहीं आया। फकीर मोहन कॉलेज की 20 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा ने आत्मदाह के प्रयास के दो दिन बाद 14 जुलाई की रात को एम्स भुवनेश्वर में 95 प्रतिशत जलने के कारण दम तोड़ दिया। इस घटना से देश भर में आक्रोश फैल गया।

दिल्ली हाई को मिले 6 नए जज, कॉलेजियम का भी होगा पुनर्गठन

दिल्ली हाई कोर्ट को सोमवार को छह नए न्यायाधीश मिले, जिससे स्वीकृत पदों की संख्या 60 के मुकाबले प्रभावी संख्या 40 हो गई। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उच्च न्यायालय परिसर में इन न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। नवनियुक्त न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, नितिन वासुदेव साम्ब्रे, विवेक चौधरी, अनिल क्षेत्रपाल, अरुण कुमार मोंगा और ओम प्रकाश शुक्ला शामिल हैं। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी ने हिंदी में शपथ ली, जबकि शेष पाँच न्यायाधीशों ने अंग्रेजी में शपथ ली। न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे का बॉम्बे उच्च न्यायालय से स्थानांतरण हुआ था। जबकि न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और ओम प्रकाश शुक्ला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति क्षेत्रपाल पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में और न्यायमूर्ति मोंगा राजस्थान उच्च न्यायालय में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति राव को कर्नाटक उच्च न्यायालय से दिल्ली वापस भेजा गया है। इसके अलावा, दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति विभु बाखरू को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए जाने पर 16 जुलाई को औपचारिक विदाई दी गई। उनके जाने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों वाले कॉलेजियम का पुनर्गठन भी हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर, एसआईआर, सीजफायर... मानसून सत्र के पहले ही दिन महासंग्राम

यह संसद है, प्राइवेट ड्राइंग रूम नहीं, नियमों के दायरे में रहना होगा, राहुल-प्रियंका पर धर्मेंद्र प्रधान का पलटवार

मानसून सत्र

निचले सदन की कार्यवाही एक घंटे के भीतर दो बार स्थगित हुई, जबकि राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच तीखी बहस हुई। लोकसभा मे राजनाथ सिंह और राज्यसभा में जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है।

एजेंसी

विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित, राजनाथ सिंह का बयान

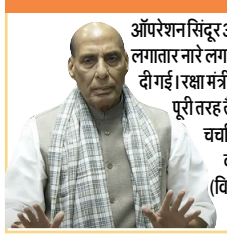

ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों के लगातार नारे लगाने के कारण लोकसभा की कार्यवाही 1400 बजे तक स्थगित कर दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि चर्चा के एजेंडे पर निर्णय लेने के लिए 1430 बजे बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक होगी। सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन वे (विपक्षी सांसद) यहां (सदन के वेल में) विरोध कर रहे हैं। मानसून सत्र के पहले दिन इस तरह विरोध करना सही नहीं है।

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को केंद्र और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्षी सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर चर्चा की मांग की। दिन भर की कार्यवाही में तीखी नारेबाजी और बहस देखने को मिली। निचले सदन की कार्यवाही एक घंटे के भीतर दो बार स्थगित हुई, जबकि राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच तीखी बहस हुई। लोकसभा मे राजनाथ सिंह और राज्यसभा में जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सत्तारूढ़ पार्टी पर संसद में उन्हें बोलने नहीं देने का आरोप लगाया। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव से संबंधित नोटिस सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में दिए गए।

मैं विपक्ष का नेता हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा....राहुल गांधी ने लगाया बड़ा आरोप

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अगर वे (सरकार) चर्चा के लिए तैयार हैं, तो उन्हें विपक्ष के नेता को बोलने देना चाहिए। वह बोलने के लिए खड़े हुए हैं, इसलिए उन्हें बोलने दिया जाना चाहिए।

मानसून सत्र के पहले दिन दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित होने के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि रक्षा मंत्री को सदन में बोलने की अनुमति है, लेकिन विपक्ष के सदस्यों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, जो विपक्ष का नेता हूं, को बोलने की अनुमति नहीं है। यह एक नया दृष्टिकोण है। परंपरा कहती है कि यदि सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह दी जानी चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अगर वे (सरकार) चर्चा के लिए तैयार हैं, तो उन्हें विपक्ष के नेता को बोलने देना चाहिए। वह बोलने के लिए खड़े हुए हैं, इसलिए उन्हें बोलने दिया जाना चाहिए। सपा सांसद राजीव राय ने कहा कि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोच्च है।

लोकसभा की कार्यवाही

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद समेत अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव से संबंधित नोटिस सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में दिए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपे गए नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर समेत कुल 145 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। निचले सदन में अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत नोटिस दिए गए हैं।

19 साल बाद मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस के 11 आरोपी बरी

त्रासदी में जीवित बचे शख्स ने इसे न्याय की हत्या करार दिया

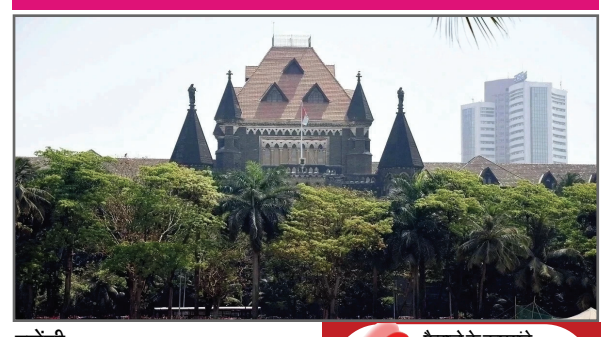

एजेंसी

मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क में सिलसिलेवार बम विस्फोटों के लगभग दो दशक बाद, 2006 की त्रासदी में जीवित बचे चिराग चौहान ने सोमवार को बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा सभी 12 आरोपियों को बरी किए जाने पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि न्याय की हत्या कर दी गई। अब 40 वर्षीय चिराग चौहान 21 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी के छात्र थे, जब 11 जुलाई 2006 को खार और सांताक्रूज स्टेशनों के बीच बम विस्फोट हुआ था। विस्फोट के कारण उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई और वे व्हीलचेयर पर आ गए। आज, वे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और विस्फोट पीड़ितों की आवाज बनते हैं। फैसले के कुछ घंटे बाद, चौहान ने सोशल मीडिया पर बरी होने पर अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने कहा, आज सभी के लिए बहुत दुखद दिन है! न्याय की हत्या हो गई!! हजारों परिवारों को हुई अपूरणीय क्षति और पीड़ा के लिए किसी को सजा नहीं मिली।

> फैसले के कुछ घंटे बाद, चौहान ने सोशल मीडिया पर बरी होने पर अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने कहा, आज सभी के लिए बहुत दुखद दिन है! न्याय की हत्या हो गई!! हजारों परिवारों को हुई अपूरणीय क्षति और पीड़ा के लिए किसी को सजा नहीं मिली।

शहीद दिवस रैली में ममता बनर्जी की हुंकार

> बनर्जी के तीखे भाषण में पश्चिम बंगाल में एनआरसी नोटिस से लेकर भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों को निशाना बनाने, कथित तौर पर उन्हें डिटेंशन कैंपों में डालने और मतदाता सूची से उनके नाम हटाने के प्रयासों तक, कई मुद्दों पर बात की गई।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल में एसआईआर जैसा कुछ नहीं होने देंगे

पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपनी 'बंगाली अस्मिता' (गौरव) की बात को तेज करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर बंगालियों पर भाषाई आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि पहचान और भाषा की लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक कि भगवा पार्टी राज्य और केंद्र दोनों में हार नहीं जाती। बनर्जी ने कहा कि हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं, चाहे वह हिंदी हो, गुजराती हो, मराठी हो, राजस्थानी हो। पश्चिम बंगाल के लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई थी। पश्चिम बंगाल के लोग जो कर सकते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता। कोलकाता में टीएमसी शहीद दिवस रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने 2026 के चुनावों में भगवा पार्टी को हराने और अंततः केंद्र की सत्ता से भाजपा को बेदखल करने का आह्वान किया। मध्य कोलकाता स्थित रैली स्थल पर भारी भीड़ के सामने बनर्जी ने गरजते हुए कहा कि बंगाली भाषा पर भाजपा के आतंकवाद के खिलाफ एक भाषाई आंदोलन होगा। 27 जुलाई से, बंगालियों पर हमलों के विरोध में पश्चिम बंगाल में भाषाई आंदोलन शुरू होगा। उन्होंने जोर देकर कहा, हमें 2026 के विधानसभा चुनावों में और सीटें जीतनी हैं।

बांग्लादेश में बड़ा हादसा, स्कूल पर गिरा सेना का विमान, 19 की मौत, 171 घायल

हादसे के वक्त चल रही थी क्लास

एजेंसी

ढाकाः बांग्लादेश की राजधानी ढाका के उत्तरा क्षेत्र में सोमवार को एक भयानक हादसा हुआ जब बांग्लादेश वायुसेना का एक प्रशिक्षण विमान उड़ान के कुछ ही मिनटों बाद माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह हादसा दोपहर 1:30 बजे के करीब हुआ. वायुसेना की ओर से बताया गया कि विमान ने 1:06 बजे उड़ान भरी थी, और तकनीकी खराबी के चलते 1:30 बजे हादसे का शिकार हो गया. दुर्घटनाग्रस्त विमान चीनी मूल का था, जिसे मिग-21 की लाइसेंस कॉपी माना जाता है. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस हादसे में अब तक कम से कम 19 लोगों की मौत हो चुकी है और 100 से अधिक लोग घायल हैं. कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है. मृतकों में कई छात्र भी शामिल बताए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक कक्षाओं के बच्चे भी थे.

बचाव कार्य में सेना, बीजीबी और पुलिस जुटी

घटना के तुरंत बाद बांग्लादेश सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और वायुसेना की टीमें मौके पर पहुंचीं. बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) की तीन टुकड़ियों को भी राहत और बचाव कार्यों में लगाया गया है. आसपास के इलाकों को सील कर दिया गया है.

अस्पताल ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

घायलों को ढाका के राष्ट्रीय बर्न और प्लास्टिक सर्जरी संस्थान में भर्ती कराया गया है. अस्पताल ने आपातकालीन स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर 01949-043697 जारी किया है

'राजनीतिक लड़ाई के लिए एजेंसी का इस्तेमाल न किया जाए...'

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने दो मामलों में सोमवार को पर सख्त टिप्पणी की, और कहा कि एजेंसी को राजनीतिक लड़ाइयों में इस्तेमाल न होने दिया जाए. एक मामला कर्नाटक एमयूडीए केस में हाई कोर्ट के राहत आदेश को चुनौती देने से जुड़ा था. कोर्ट ने एऊ की अपील खारिज कर दी और चेतावनी भी दी.

एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कड़ी फटकार लगाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को विवादास्पद मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को जारी ईडी के समन को रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। शीर्ष अदालत ने ईडी को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग न करने की भी चेतावनी दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय ने ईडी की कार्रवाई।

हम सच्चाई के साथ, अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही निष्कर्ष पर पहुँचें...

> नायडू ने राज्यसभा के सदस्यों को आश्वासन दिया कि एएआईबी एयर इंडिया विमान दुर्घटना की पारदर्शी जाँच कर रहा है। उन्होंने कहा कि मामले से संबंधित रचनात्मक उत्तर अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ पाएँगे।

एजेंसी

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर बोले राम मोहन नायडू

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्ष के हंगामे के बीच राज्यसभा में अपना बयान दिया है। राम मोहन नायडू ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना पर पश्चिमी मीडिया के बयानों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सच्चाई के साथ खड़ी है और विपक्षी सदस्यों से आग्रह किया कि वे एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुँचें। नायडू ने राज्यसभा के सदस्यों को आश्वासन दिया कि एएआईबी एयर इंडिया विमान दुर्घटना की पारदर्शी जाँच कर रहा है। उन्होंने कहा कि मामले से संबंधित रचनात्मक उत्तर अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ पाएँगे। विपक्ष ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए मेडिकल छात्रों को दिए जा रहे मुआवजे पर सरकार से सवाल किया। जवाब में, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि पीड़ितों चाहे वे यात्री हों या अन्य के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है और विमान में सवार लोगों के अलावा, जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवारों को समान मुआवजा और सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि एएआईबी पारदर्शी तरीके से जाँच कर रहा है.

वैष्णो देवी के पुराने मार्ग पर भूस्खलन, एक श्रद्धालु की मौत, नौ घायल

> वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है. कटरा में एक श्रद्धालु की मौत होने की सूचना है.

एजेंसी

जम्मू: जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर सोमवार को भीषण भूस्खलन हुआ. इस घटना में एक तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए. एहतियात के तौर पर मंदिर की यात्रा दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी गई थी. भारी बारिश के कारण कटरा में भूस्खलन हुआ. त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों का आधार शिविर है.कब घटी घटनाःयह घटना सुबह लगभग 8.30 बजे बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में घटी. ज्यादातर टट्टू सवार पुराने मार्ग पर एकत्र होते हैं

आश्वासन हिमंत विश्व शर्मा का जनता को आश्वासन

'ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के बांध बनाने से फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं'

एजेंसी

> असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को ब्रह्मपुत्र पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण के चीन के कदम पर आशंकाओं को कम करने की कोशिश की और कहा कि उन्हें तत्काल चिंता की कोई बात नहीं दिखती क्योंकि नदी को अपना अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से मिलता है।

नई दिल्ली , असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को ब्रह्मपुत्र पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण के चीन के कदम पर आशंकाओं को कम करने की कोशिश की और कहा कि उन्हें तत्काल चिंता की कोई बात नहीं दिखती क्योंकि नदी को अपना अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से मिलता है। यहां एक समारोह के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, सरमा ने कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध के वास्तविक प्रभाव के बारे में अभी ठीक से जानकारी नहीं है क्योंकि इसे लेकर अलग-अलग धारणाएँ बनाई जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी। चीन ने पिछले शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाले एक विशाल जलविद्युत बांध का औपचारिक निर्माण शुरू कर दिया है, जिसे तिब्बत में यारलुंग जंगबो के नाम से जाना जाता है। इस परियोजना में पाँच जलप्रपात जलविद्युत स्टेशन शामिल हैं, जिसने भारत और बांग्लादेश जैसे निचले इलाकों के देशों में जल सुरक्षा और पारिस्थितिक प्रभावों को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। सरमा ने यहां एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध से वास्तव में क्या प्रभाव पड़ेगा, फिलहाल इसकी ठोस जानकारी नहीं है क्योंकि अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं फिलहाल चिंतित नहीं हूं क्योंकि ब्रह्मपुत्र एक विशाल नदी है और यह किसी एक स्रोत (पानी) पर निर्भर नहीं है। बांध के कारण असम में नदी के निचले क्षेत्र पर संभावित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि यह सकारात्मक रहेगा या नकारात्मक। उन्होंने कहा, ब्रह्मपुत्र को अपना अधिकांश पानी भूटान, अरुणाचल प्रदेश और हमारे राज्य से वर्षा जल और अन्य जल स्रोतों से मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन द्वारा बांध के संबंध में दो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, पहला - अगर चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को बाधित करता है तो पानी कम हो सकता है और परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित होगी।

तेजस्वी यादव ने की एसआईआर पर बहस की मांग, सरकार को दी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली , राजद विधायक तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार विधानसभा सत्र में राज्य में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की माँग की। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि आज विधानसभा सत्र शुरू हो गया है... हमारी माँग है कि विधानसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा हो। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करेगी कि कोई भी गरीब मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

यादव ने कहा कि बिहार लोकतंत्र का उद्गम स्थल है और अगर कोई यहाँ लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए यह लड़ाई लड़ेंगे कि हमारे गरीब अपने मताधिकार से वंचित न हों और उनका अस्तित्व मिट न जाए।

बिहार विधानसभा का सत्र आज सुबह शुरू हो गया। इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कर रहा है।

> यादव ने कहा कि बिहार लोकतंत्र का उद्गम स्थल है और अगर कोई यहाँ लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए यह लड़ाई लड़ेंगे कि हमारे गरीब अपने मताधिकार से वंचित न हों और उनका अस्तित्व मिट न जाए।

विश्व के लिए खतरनाक होगा टैरिफ का दांव, भारत को अपनी कूटनीति पर लगाना होगा दांव

इस खेल में भारत को कूटनीतिक निपुणता के साथ चीन के साथ मिलकर चलना होगा क्योंकि ट्रंप उसी की सुनते हैं जिसके पास पलटवार की क्षमता होती है। चीन के पास पलटवार के लिए दुर्लभ खनिज हैं और रूस के पास तेल और अनाज। ऐसे में भारत को अपनी कूटनीति पर दांव लगाना होगा।

पा शातिर गजनवी की मशहूर गजल का मतला है-गो जरा सी बात पर बरसों के याराने गए। पुतिन और ट्रंप के बीच हाल में कुछ ऐसा ही हुआ है। हां, बात केवल इतनी ही नहीं है। 2013 की मिस यूनिवर्स सौंदर्य प्रतिस्पर्धा को लेकर मास्को गए ट्रंप ने रूसी अरबपतियों और राष्ट्रपति पुतिन की खातिरदारी से अभिभूत होकर कहा था कि वे राष्ट्रपति ओबामा से भी अधिक प्रभावशाली हो चुके हैं। पुतिन का रंग उन पर इतना गहरा चढ़ा कि राष्ट्रपति बनने के बाद 2018 के हेलसिंकी शिखर सम्मेलन में उन्होंने अपने खुफिया तंत्र के खिलाफ पुतिन का पक्ष लेते हुए यह मानने से इन्कार कर दिया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव में गड़बड़ी कराई थी। पुतिन के साथ अपने खास रिश्ते का दम भरते हुए उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति बनने के 24 घंटों के भीतर युद्धविराम करा देंगे। जब वह नहीं हुआ तो उन्होंने रूस के प्रतिबंध हटाने और क्रीमिया को रूस के भाग के रूप में मान्यता देने जैसे प्रलोभन देकर पुतिन को मनाने की कोशिशें कीं। जंग का ठीकरा जेलेंस्की के सिर फोड़ा, उन्हें तानाशाह बताते हुए व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने बुरा-भला कहा। उन्होंने यूक्रेन की सैन्य और आर्थिक मदद रोक ली और बिना शर्त बातचीत के लिए राजी किया। युद्ध विराम के लिए ट्रंप ने पुतिन के साथ छह बार फोन-वार्ताएं कीं, परंतु पुतिन न केवल बात लटकाते रहे, बल्कि हर बातचीत के बाद बड़े-बड़े हमले करते रहे। इस महीने की बातचीत के बाद ट्रंप का पुतिन से मोहभंग हो गया और

उन्होंने कहना शुरू किया कि वे उनसे नाखुश हैं। बीबीसी को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि वे पुतिन से निराश हैं, पर हताश नहीं। उन्होंने यूक्रेन को नाटो के माध्यम से अधुनातन रक्षा प्रणाली और मिसाइलें देना शुरू करने का एलान किया और पुतिन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वे 50 दिनों के भीतर युद्ध विराम के लिए राजी नहीं हुए तो रूसी माल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ जैसे कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। नाटो महासचिव मार्क रूटा ने तो चीन, भारत और ब्राजील को सीधे ही कह दिया कि या तो तीनों मिलकर पुतिन को युद्ध विराम के लिए राजी करें, अन्यथा अमेरिकी प्रतिबंधों के लिए तैयार हो जाएं। यूरोपीय संघ ने रूस पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं और अमेरिकी सीनेट रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने वाले प्रस्ताव की तैयारी कर रही है। रूस प्रतिदिन लगभग 70 लाख बैरल तेल का निर्यात करता है, जिसका 47 प्रतिशत चीन खरीदता है और 38 प्रतिशत भारत। रूस इस समय दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। उसके तेल की बिक्री बंद होने से दुनिया में तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है, जिसका असर चीन और भारत पर तो पड़ेगा ही, यूरोप और अमेरिका भी उससे अछूते नहीं रह पाएंगे, क्योंकि तेल की कीमतों में उछाल से महंगाई बढ़ेगी और दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में पड़ जाएगी। इससे रूस का नुकसान तो तब होगा जब चीन, भारत और ब्राजील तेल खरीदना बंद करेंगे। हालांकि तेल की कीमतें बढ़ने से रूस को फायदा होना तुरंत शुरू हो गया है। वैसे भी पुतिन को लगता है कि ट्रंप की धमकी गीदड़भभकी के सिवा कुछ नहीं है। इसलिए पुतिन ने यूक्रेन पर 700 ड्रोन और दर्जन भर मिसाइलों से बड़ा हमला किया। अमेरिकी चेतावनी के जवाब में रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जखारोवा ने भी कहा कि अल्टीमेटम, ब्लैकमेल और धमकियां हमें मंजूर नहीं हैं। हम अपनी सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे। रूसी शेयर बाजार में भी घबराहट की जगह तेजी दिखाई दी। ट्रंप का पुतिन से मोहभंग होना तो समझ में आता है, परंतु आर्थिक प्रतिबंधों के जिस हथियार से बाइडन कुछ हासिल नहीं कर पाए तो उसी को दोबारा चलाने का मकसद क्या हो सकता है? सुप्रसिद्ध इतिहासकार युवाल नोआ हरारी के अनुसार ट्रंप किलेबंदी की मानसिकता से काम करते हैं। उनकी नीतियों में किसी न किसी ठोस प्राप्ति का स्वार्थ छिपा रहता है। यूक्रेन की सैनिक मदद के लिए उन्होंने नाटो को माध्यम बनाया, ताकि यूक्रेन को हथियार मिल जाएं और उन्हें नाटो के जरिये उनके दाम। ट्रंप दावा कर चुके हैं कि चीन के साथ सैद्धांतिक रूप से व्यापार सौदा हो चुका है, परंतु उस दावे को तीन हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन सौदे पर मुहर नहीं लग पाई है। उन्होंने भारत के साथ भी सौदा हो जाने का संकेत दिया है। अलबत्ता औपचारिक रूप से कोई घोषणा नहीं हुई है ।हो सकता है कि इन्हीं व्यापार सौदों को मनमुताबिक और जल्दी निपटाने के लिए रूसी तेल खरीदने वालों पर टैरिफ लगाने की चेतावनी दी जा रही हो। वरना यह बात पुतिन भी जानते हैं और ट्रंप भी कि शी चिनफिंग भी ट्रंप की धमकी में आकर रूस से तेल लेना बंद नहीं करने वाले। वे टैरिफ जंग में भी नहीं झुके, क्योंकि चीन के पास दुर्लभ खनिजों, चुंबकों और सेमीकंडक्टरों का ब्रह्मास्त्र था। उसके साथ आखिरकार ट्रंप को ही सौदा पटाना पड़ा। ट्रंप समझ चुके हैं कि सवा लाख से अधिक सैनिकों और अर्थव्यवस्था की बलि चढ़ा चुके पुतिन को बातों और धमकियों से पीछे हटाना संभव नहीं है। न ही वे इस अंतहीन लड़ाई में यूक्रेन के लिए अमेरिकी खजाना खोलने को तैयार हैं। इसलिए उन्होंने नाटो के जरिये हथियार बेचने का रास्ता चुना है, ताकि यूक्रेन अपनी रक्षा करते हुए रूसी सेना और रक्षा तंत्र को इतनी चोट पहुंचाता रहे कि एक दिन पुतिन थककर बातचीत के लिए विवश हो जाएं ।दूसरी ओर, पुतिन का लक्ष्य यूक्रेन की सैनिक और खुफिया शक्ति और रक्षा उद्योग को तबाह कर उसे ऐसे नाकाम राज्य में बदल देना है जहां रूसी हमलों के भय से कोई निवेश न करे और वह रूस पर आश्रित होकर रह जाए। इस खेल में भारत को कूटनीतिक निपुणता के साथ चीन के साथ मिलकर चलना होगा, क्योंकि ट्रंप उसी की सुनते हैं जिसके पास पलटवार की क्षमता होती है। चीन के पास पलटवार के लिए दुर्लभ खनिज हैं और रूस के पास तेल और अनाज। ऐसे में भारत को अपनी कूटनीति पर दांव लगाना होगा।

सम्पादकीय

मानसून सत्र में कृपया सार्थक चर्चा करें, हंगामा न तो राजनीति और न ही लोकतंत्र के लिए शुभ

यदि संसद में सकारात्मक चर्चा नहीं होगी और कानूनों के निर्माण का मूल कार्य ढंग से नहीं किया जाएगा तो फिर कहां किया जाएगा? यह एक तथ्य है कि संसद में अब सार्थक चर्चा का अभाव ही अधिक देखने को मिलता है। यह न तो राजनीति के लिए शुभ है न लोकतंत्र के लिए और न ही आम जनता के लिए ।यह अच्छी बात है कि संसद के मानसून सत्र में सरकार पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ किए गए आपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार है। इस तैयारी के अनुरूप सरकार का कार्य और व्यवहार होना भी चाहिए और दिखना भी। इसी तरह विपक्ष को भी आपरेशन सिंदूर और इससे जुड़े अन्य विषयों पर गंभीर चर्चा के लिए तत्पर दिखना होगा ।इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि दोनों सदनों के सुचारु संचालन के लिए सर्वदलीय बैठक में पक्ष-विपक्ष के बीच इस विषय पर सहमति बनी, क्योंकि अभी तक का अनुभव यही बताता है कि संसद सत्र के पहले आयोजित होने वाली सर्वदलीय बैठकों में कहा-बताया कुछ जाता है और लोकसभा एवं राज्यसभा में कुछ और देखने को मिलता है। आमतौर पर यह कुछ और नहीं, बल्कि हल्ले एवं हंगामे के रूप में देखने को मिलता है ।संसद के भीतर अथवा बाहर किसी विषय पर चर्चा में महत्वपूर्ण यह होता है कि उस पर किस इरादे से पक्ष-विपक्ष के नेता अपनी बात कह रहे हैं। कई बार ये इरादे वैसे नहीं होते, जैसे प्रचारित किए जाते हैं। कभी सत्तापक्ष विपक्ष के विषयों को अनावश्यक समझता है और कभी विपक्षी दल विरोध के लिए विरोध की राजनीति करते दिखते हैं ।अब तो ऐसा अधिक दिखता है कि कई विपक्षी नेताओं का एकमात्र उद्देश्य हंगामा करना होता है। सत्ता पक्ष भी उनके उद्देश्य को पूरा करना बेहतर समझता है ।इसके नतीजे में किसी भी मुद्दे पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा नहीं हो पाती। स्थिति यह है कि राष्ट्रीय महत्व के कई विधेयकों पर भी ढंग से चर्चा नहीं होती। वे या तो लंबित पड़े रहते हैं अथवा हंगामे के बीच जैसे-तैसे पास हो जाते हैं। जब ऐसा होता है तब विपक्ष यह शोर मचाता है कि बहुमत के बल पर विपक्ष की आवाज को दबा दिया गया और अब तो ऐसा अक्सर सुनने को मिलता है कि देश में लोकतंत्र के नाम पर एक तरह की तानाशाही चल रही है। यह बात वह कांग्रेस खासतौर पर कहती है, जो सचमुच तानाशाही के रास्ते पर चली थी। तब उसकी तानाशाही का विरोध करने वाले कई दल आज उसके साथ खड़े हैं और उसकी ही भाषा बोल रहे हैं ।कई बार तो विपक्षी दल ऐसी भाषा बोल जाते हैं जो पाकिस्तान, चीन को रास आती है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पहलगाम आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर पर विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से ऐसे कई बयान दिए भी गए थे।

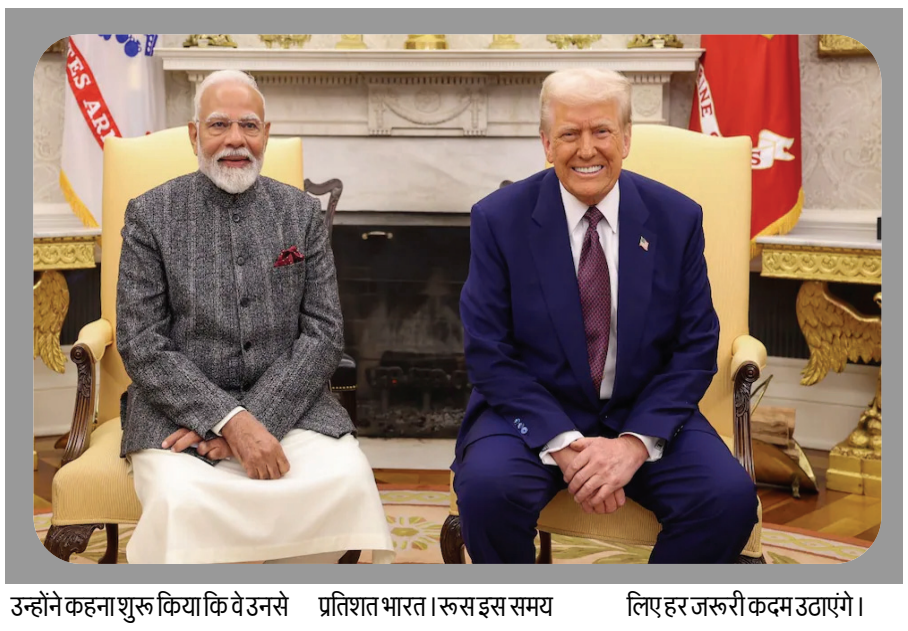

आज का विचार

मेष राशि: नौकरी करने वाले लोग अपने कामकाज में अधिक व्यस्त रहेंगे, जिससे कार्यस्थल पर आपकी सराहना भी की जाएगी। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकते हैं।

वृषभ राशि: आपको कार्यस्थल पर कई प्रकार की रुकावटों और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आप अपने सहयोगियों की मदद से इन मुश्किलों से आसानी से बाहर निकल जाएंगे।

मिथुन राशि : अगर आपकी कोई कीमती और खास चीज बहुत पहले खो गई थी, तो वह अब वापस मिल सकती है। इससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, अगर आपने पहले के समय में किसी व्यक्ति के धन उधार दिया था, तो वह भी अब वापस मिलने की संभावना है।

कर्क राशि : आपको पूरे दिन में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अगर कोई नया काम शुरू कर रहे हैं, तो शुरूआत में कुछ रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन दिन बीतने के साथ-साथ आपके बिगड़े काम बनने लगेंगे, जिससे मन को शांति महसूस होगी।

सिंह राशि : अगर किसी प्रॉपर्टी से जुड़े मामले में फंसे थे तो वे अब हल हो सकते हैं। नौकरी करने वालों की आय में बढ़ोतरी होगी। लेकिन साथ ही खर्च भी बढ़ सकते हैं।

कन्या राशि : आप दिनभर जोश और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सहयोगी अच्छे और शांत मूड में रहेंगे। साथ ही, वे ज्यादा काम करने का मन भी बना सकते हैं। व्यापार में बदलाव के लिए आप खुद के भीतर की प्रतिभा को बाहर निकालने और समझने की कोशिश कर सकते हैं।

तुला राशि: समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। इसके लिए लोगों द्वारा कोई आयोजन करने की भी संभावना बन रही है। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके खिलाफ जो भी योजनाएं बना रहे थे, वे सभी फेल हो जाएंगी और आप विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक मामले में भी आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा।

वृश्चिक राशि : आपको सामाजिक कार्यों के द्वारा कुछ नए उद्देश्य प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी करने वालों के लिए कार्यस्थल का माहौल सकारात्मक बना रहेगा, जिससे आप शांति से अपना काम कर पाएंगे।

धनु राशि: आपको अपने कार्यस्थल के कुछ बदले माहौल से परेशानी हो सकती है। इसी के चलते काम करने में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

मकर राशि : व्यापार के मामले में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। आज जो भी काम पूरी मेहनत और लगन से करेंगे, उसमें उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। अगर आर्थिक मामले में पिछले दिनों कुछ नुकसान हुए थे तो अब उनकी भरपाई हो सकती है। बिजनेस करने वालों को अपने कार्यस्थल पर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। लव लाइफ बिता रहे लोग अपने पार्टनर के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं, जिससे आपकी खुशी दोगुनी हो जाएगी।

कुंभ राशि: आपका दिन थोड़ी मुश्किलों भरा हो सकता है। किसी बात से मन बेचैन रहेगा, जिसका प्रभाव आपके काम धंधे पर भी देखने को मिलेगा। नौकरी करने वाले लोग अपने कामकाज में व्यस्त रहेंगे। व्यापार के मामले में आपको एक ही दिन में एक साथ कई काम पूरे करने पड़ सकते हैं।

मीन राशि: व्यापार के मामले में आपको किसी भी प्रकार के सौदे या पैसों की लेनदेन में सावधान रहना होगा। ज्यादा स्ट्रेस लेने से बनता काम बिगड़ सकता है। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, जिसे नियंत्रित करना जरूरी होगा। इसके लिए आपको संयम के साथ बजट बनाकर चलना होगा। ऐसा करने से भविष्य में आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में दोस्तों के सहयोग से आप किसी प्रोजेक्ट को पूरा कर सकते हैं।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

स्त्रियों के आर्थिक विकास से जुडी राष्ट्र की मुख्य धारा

भारत में महिलाओं के विकास का अति संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा था इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के

अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

पाक प्रेरित आतंकवाद पर बदलते अमेरिकी-चीनी रूख के वैश्विक मायने

कमलेश पांडेय

दुनिया के थानेदार अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित और भारत के पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार ₹द रेसिस्टेंस फ्रंट₹ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करके भारत से हाल ही में बेपटरी होते जा रहे कूटनीतिक सम्बन्धों को संभालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इससे जहां पाकिस्तान और चीन को करारा झटका लगा है, वहीं अमेरिका के इस ह्रदय परिवर्तन से यह स्पष्ट हो चुका है कि दुनिया के दोनों ध्रुवों को एक साथ साधते रहने की कोशिश करने वाले भारत के ताजा कूटनीतिक प्रयासों की जीत हुई है, लेकिन अभी भी पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना बाकी है। बता दें कि टीआरएफ पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा का ही एक चेहरा यानी प्रॉक्सी संगठन है। जब लश्कर और उसके सरगना हाफिज सईद पर कार्रवाई के लिए पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बढ़ने लगा, तो 2019 में उसने टीआरएफ को प्रॉक्सी के तौर पर खड़ा कर दिया। यह जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ ही नहीं, हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में भी शामिल है। सरकार ने 2023 में इस पर बैन लगाया था। उल्लेखनीय है कि टीआरएफ को संसाधन और समर्थन दे रहा लश्कर-ए-तैयबा पहले ही ग्लोबल टेररिस्ट ग्रुप घोषित किया जा चुका है। इसी तरह आतंकी मसूद अजहर के जैश-ए-मोहम्मद पर भी प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके बावजूद, ये दोनों आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। दिखाने के लिए हाफिज सईद को जेल में रखा गया है, लेकिन उसकी गतिविधियां पहले की तरह जारी हैं ।यही वजह है कि लश्कर या जैश जैसे आतंकी संगठन अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद खत्म नहीं हो पा रहे हैं, क्योंकि उन्हें पाकिस्तान की तरफ से निरंतर खुराफाती खुराक मिलती आई है। आलम यह है कि जब इस्लामाबाद पर अमेरिकी दबाव बढ़ता है, तो वह दिखावटी कदम उठा लेता है और आतंकवाद का कोई एक नया चेहरा तैयार कर दिया जाता है। इसलिए टीआरएफ के मामले में अमेरिका को पाकिस्तान के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए कि लश्कर पर बैन होने के बावजूद कैसे उसने एक दूसरा फ्रंट बना लिया?

दरअसल, सीमापार आतंकवाद को लेकर वॉशिंगटन का

नजरिया भारत से बिल्कुल अलग दिखता है। तभी तो पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी स्पष्ट भूमिका दिखाई देने के बावजूद कुछ ही दिनों बाद डॉनल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में उनकी मेजबानी करते दिखे। इसलिए यदि अमेरिका टीआरएफ पर बैन का कोई सार्थक नतीजा देखना चाहता है, तो उसे पाकिस्तानी सेना पर प्रेशर बनाना चाहिए। कहना न होगा कि पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान के बीचकनेक्शन के कई सबूत सामने आए हैं। इसलिए टीआरएफ पर एक्शन का इस्तेमाल भारत को पाकिस्तान की घेरेबंदी करने और वैश्विक मंच पर उसे बेनकाब करवाने में करना चाहिए। सबसे खास बात यह है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को करारा जवाब दिए जाने हेतु शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद चीन के साथ-साथ भारत के चतुर्गुट (कवाड) सहयोगी देश अमेरिका ने भी जब पाकिस्तान की पहले परोक्ष, फिर प्रत्यक्ष तरफदारी की तो भारतीय कूटनीति पर सवाल उठने लगे थे। हालांकि, अमेरिका को पता है कि पाकिस्तान अब उससे ज्यादा चीन के इशारे पर खेलता है। इसी चक्कर में अमेरिका को अफगानिस्तान भी गंवाना पड़ा। यही वजह है कि जैसे वह पाकिस्तान से करीबी दिखाना शुरू किया, भारत ने अमेरिका से दूरी बनानी और नीतिगत परहेज शुरू कर दिया।

कोटेदारों ने राशन वितरण बंद किया

मानदेय बढ़ाने और 6 माह से मानदेय नहीं मिलने को लेकर विरोध में जुटे कोटेदार

भारत संवाद

प्रयागराज , कोटेदारों की लंबित मांगों को लेकर प्रदेश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शन के समर्थन में प्रयागराज के कोटेदार आ गए हैं। उन्होंने एकजुट होकर आज सिविल लाइंस स्थित धरना-प्रदर्शन स्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध के चलते आगामी तीन दिनों – 20, 21 और 22 जुलाई को अगस्त माह 2025 का राशन वितरण कार्य कोई भी विक्रेता नहीं करेगा। यह निर्णय उत्तर प्रदेश कोटेदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी द्वारा लिया गया है। जिसे एक ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी प्रयागराज, जिला पूर्ति अधिकारी प्रयागराज एवं आयुक्त महोदय, जवाहर भवन, लखनऊ को अवगत करा दिया गया है। कोटेदारों का कहना है कि हमारा भी घर है, बाल बच्चे हैं, बच्चों की स्कूल फीस भरना होता है, परिवार का पेट भरना होता है। उनका 6 माह से बकाया मानदेय नहीं दिया जा रहा है। प्रदर्शन में जिले के सैकड़ों कोटेदार शामिल हुए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जोरदार ढंग से प्रस्तुत किया। प्रमुख मांगों में कोटेदारों का मासिक मानदेय 200 प्रति कुंतल करने की मांग प्रमुख रही।

अस्पताल ने आयुष्मान लाभार्थी से वसूल लिए रुपए

डीएम की सख्ती के बाद लौटाए, सीएमओ ने अस्पताल संचालक को दी चेतावनी

भारत संवाद

प्रयागराज, प्राइवेट अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के मरीज से रुपये लेने का मामला सामने आया है। महिला मरीज के पास आयुष्मान योजना का कार्ड था, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने उसे स्वीकार नहीं किया। करीब 12 दिन इलाज किया गया जिसके बाद मरीज से करीब एक लाख रुपये ले लिए गए। इसकी शिकायत जब शासन स्तर पर हुई तो जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में जांच कमेटी गठित हुई। इसके बाद आज सोमवार को अस्पताल प्रशासन ने मरीज के तीमारदार को 1.8 लाख के चेक वापस किए। सीएमओ ने अस्पताल संचालक को इसके लिए चेतावनी दी है कि आगे यदि इस तरह की मनमारी सामने आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच

कमेटी में एसीएमओ डॉ. आरसी पांडेय व डॉ. राजेश कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार जायसवाल व वरिष्ठ सहायक अवधेश सिंह शामिल रहे।

छोटा बघाड़ा की रहने वाली आनंद प्रकाश सिंह की माता कमला देवी की तबीयत बिगड़ी थी। एक जनवरी को उन्हें फेफड़े में परेशानी हुई तो वह लेकर पूजा हास्पिटल गए। आयुष्मान भारत योजना का कार्ड होने के बाजवूद अस्पताल प्रशासन ने इसे नहीं स्वीकार।

आनंद प्रकाश बताते हैं कि ज्यादा सीरियस होने के कारण तत्काल माताजी को इसी अस्पताल में भर्ती करा दिया। करीब 12 दिन अस्पताल में भर्ती रहीं। अस्पताल प्रशासन ने पूरे 1.8 लाख रुपये लिए। हमने इसकी शिकायत प्रधानमंत्री के पोर्टल पर भी की थी।

इसके बाद डीएम के निर्देशन में सीएमओ स्तर से जांच शुरू हुई और आज अस्पताल प्रशासन ने पूरे इलाज में खर्च रुपये वापस किए।

फास्ट ट्रैक

उ0प्र0शिक्षा सेवा चयन आयोग को ज्ञापन सौंपकर मांगा प्रवेश पत्र -अनिल सिंह

21व 22 जुलाई 2025 को परीक्षा कराने को लेकर आयोग ने साधी चुप्पी – युवा मंच

भारत संवाद

प्रयागराज, अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक के 3539 पदों का विज्ञापन वर्ष 2022 में जारी किया गया था शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा बाकायदा नोटिस जारी कर 21व 22जुलाई 2025को परीक्षा कराने की बात कही गई थी लेकिन आयोग द्वारा अभी तक यह बताने की जहमत नहीं उठा रहा है कि आखिरकार प्रतियोगी किस वेवसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड करें और किस परीक्षा केन्द्र पर जाकर परीक्षा दें युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह की अगुवाई में बी.एम.भरद्वाज,सुचित कुमार, राकेश कुमार अग्रहरी ने आयोग को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की है कि किस वेवसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करें कि परीक्षा में शामिल हो सकें तमाम प्रतियोगी छात्रों ने शोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा है कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने टीजीटी की परीक्षा बड़ी ही पारदर्शिता व सुचिता कराया है जैसे ही नियुक्ति पत्र मिलेगा एक बड़ी पार्टी दी जाएगी वहीं श्री सिंह का कहना है कि आयोग ने न तो परीक्षा स्थगित करने के सम्बन्ध में कोई नोटिस जारी किया और न ही परीक्षा का प्रवेश पत्र डाउनलोड हो रहा है ऐसे में प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि आयोग का यह रवैया बेहद शर्मनाक है 29जुलाई 2025को उत्तर प्रदेश के लाखों प्रतियोगियों ने मूड़ बना लिया है कि महा आन्दोलन कर उत्तर प्रदेश सरकार से सवाल किया जाएगा कि आखिर इस भारी भरकम शिक्षा सेवा चयन आयोग की बचकानी हरकत को क्या समझा जाए आयोग ने तो परीक्षा करा रहा नहीं परीक्षा निरस्त की नोटिस जारी किया ।

अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

भारत संवाद

अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री सत्यम मिश्र की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जनपद में सड़क दुर्घटना माह जून 2024 में 87 की तुलना में जून, 2025 में 130 दुर्घटना हुई। आगामी माह में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। विगत बैठक में जनपद प्रयागराज में चिन्हित 46 ब्लैक स्पॉटों का लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा परीक्षण कर संयुक्त आख्या फोटोग्राफ्स सहित प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके क्रम में बैठक में बताया गया कि सभी 46 ब्लैक स्पॉटों का संयुक्त निरीक्षण किया गया है, जिसमें 5 ब्लैक स्पॉट प्रान्तीय खण्ड, 6 ब्लैक स्पॉट निर्माण खण्ड-3, 7 ब्लैक स्पॉट निर्माण खण्ड-4 से एवं 8 ब्लैक स्पॉट एन0एच0आई से तथा 20 ब्लैक स्पॉट राष्ट्रीय मार्ग खण्ड लो0नि0वि0, प्रयागराज से सम्बंधित है, जिसमें 03 ब्लैक स्पॉट पी0आई0यू0 रायबरेली से सम्बंधित पाये गये। सभी 46 ब्लैक स्पॉटों पर अल्पकालीन सुधार के कार्य पूर्ण पाये गये। बैठक में एन0एच0आई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नवाबगंज में बाईपास के पास साइन बोर्ड विपरीत दिशा में अंकित कर रहा है, जिसे तत्काल ठीक करा दिया जाये। परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि बैरहना चौकी व निकट मनकामेश्वर मंदिर के पास खड़ी होने वाली अवैध बसों पर प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए उन्हें हटाया जाये।बैठक में विगत माहों में ओवर स्पीडिंग, रेड लाइट जम्पिंग, बिना सीट बेल्ट, रांग साइड, ड्रंकन ड्राइविंग, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग, ओवरलोडिंग आदि विभिन्न अपराधों के विरूद्ध किये गये चालानों की संख्या एवं उक्त अपराधों के विषय में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये निदेर्शों के अनुपालन में लाइसेंस निलम्बन की कृतकार्यवाही की समीक्षा की गयी। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि रोड सेफ्टी से सम्बंधित समस्त सूचनाओं/बिन्दुओं को शत-प्रतिशत अपडेट कर अगली बैठक में जी0पी0एस0 फोटोग्राफ्स के साथ उपलब्ध करायें। पी0डी0ए0, नगर-निगम व जिला पंचायत, मंडी परिषद, आर0ई0डी0, लोक निर्माण विभाग व नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत आदि विभागों को निर्देशित किया कि चौराहों पर जंक्शन प्वाइंट पर आवश्यक ब्लिंकर एवं पर्याप्त रोशनी हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, जिससे कि दुर्घटना को कम किया जा सके।

लकी गौड़ का नीलम करवरिया क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए चयन

भारत संवाद

मेजा, प्रयागराज। मेजा को मिला चमकता सितारा अगस्त में आयोजित होने जा रहे जिला स्तरीय नीलम करवरिया क्रिकेट टूनार्मेंट में इस बार मेजा क्षेत्र के होनहार युवा क्रिकेटर लकी गौड़ का चयन हुआ है। यह खबर न केवल खेल प्रेमियों के लिए खुशी की है, बल्कि मेजा जैसे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए भी एक प्रेरणा है।

लकी गौड़ एक ऑलराउंडर बल्लेबाज हैं जो ना सिर्फ बल्ले से कमाल दिखाते हैं बल्कि गेंदबाजी में भी विरोधियों के छक्के छुड़ा देते हैं। कई बार उन्होंने अपनी टीम को मुश्किल समय में जीत दिलाकर यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक जज्बा हैं।

घंटों नेट पर बहाते हैं पसीना, सिर्फ अपने लिए नहीं – टीम के लिए खेलते हैं।

लकी गौड़ का क्रिकेट के प्रति जुनून उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करता है। नेट प्रैक्टिस के दौरान घंटों तक मैदान में पसीना बहाना, हर एक शॉट को परफेक्ट बनाना और टीम के हर खिलाड़ी की ताकत बनना – यही उनकी पहचान है। लकी गौड़ प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र के सोरांव गाँव से आते है।

उनका मानना है – ₹खेल सिर्फ प्रदर्शन नहीं, ज़िम्मेदारी है।₹ और इस सोच के साथ वह मैदान में उतरते हैं। यही कारण है कि वह टेस्ट मैच फॉर्मेट में भी शानदार परफॉर्मेंस देने में माहिर हैं, जहाँ धैर्य और तकनीक की असली परीक्षा होती है।

आशीष नेहरा क्रिकेट एकेडमी में निखर रही है प्रतिभा लकी फिलहाल आशीष नेहरा क्रिकेट एकेडमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं जहाँ उनके खेल को नयी दिशा मिल रही है। उनके कोच मोसिन खान और यस वर्धन उचारिया का कहना है -

लकी के अंदर क्रिकेट को लेकर जो समर्पण और जुनून है, वो दुर्लभ है। वह मेहनत से कभी पीछे नहीं हटता। इतनी कम उम्र में जिस तरह का धैर्य, अनुशासन और तकनीकी संतुलन उसमें है, वह भविष्य में न केवल अपने क्षेत्र, बल्कि देश का नाम रोशन करेगा।

आने वाला समय सुनहरा होगा।

मेजा जैसे अर्ध-ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर जिला स्तर पर नाम कमाना आसान नहीं होता। लेकिन लकी गौड़ ने अपने संघर्ष, लगन और मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। अब सबकी निगाहें अगस्त में होने वाले इस बड़े टूनार्मेंट पर टिकी हैं – जहाँ लकी अपनी बल्लेबाजी और ऑलराउंड खेल से दर्शकों के दिल जीतने को तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि लकी गौड़ विकासखंड उरूवा के सोरांव गांव के निवासी हैं।

थाना जिगना पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 02 नफर वांछित अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

थाना जिगना जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 27.03.2025 को वादी अशोक कुमार प्रजापति पुत्र रामनिहोर प्रजापति निवासी ग्राम अन्तहिया थाना करछना जनपद प्रयागराज द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री की दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई, जिसमें घटना का समय दिनांक 31.05.2024 बताया गया। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-71/2025 धारा 498ए,304बी भादवि व श डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक जिगना को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 21.07.2025 को उप निरीक्षक चन्द्रशेखर प्रसाद मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त 1. राहुल कुमार प्रजापति पुत्र श्रीराम प्रजापति व अभियुक्ता 2.गीता देवी पत्नी श्रीराम प्रजापति निवासीगण छतरीकापुर थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना पड़री पुलिस द्वारा 04 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पड़री पुलिस द्वारा 04 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः21.07.2025 को उप-निरीक्षक अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा 04 नफर वारण्टी 1. बुद्धिराम पुत्र रामचरन, 2. विन्ध्यावासनी पुत्र लल्लू निवासीगण नदिगहना थाना पड़री जनपद मीरजापुर, 3. सुभाष त्रिपाठी पुत्र रामनरायन तिवारी निवासी दुबेपुर थाना पड़री जनपद मीरजापुर व 4. खरभन पुत्र बैजनाथ निवासी लोकापुर थाना पड़री जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति में मदद फाउंडेशन मनाएगा तीसरा स्थापना दिवस

भारत संवाद

प्रयागराजः इस साल 27 जुलाई को मदद फाउंडेशन अपना स्थापना दिवस 'सेवा संकल्प दिवस' के रूप में धूमधाम से मनाएगा। यह कार्यक्रम हिंदुस्तानी अकादमी, सिविल लाइंस के निकट हनुमान मंदिर में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अवसर पर, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी, जो कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। प्रयागराज सहित अन्य जनपदों से कई प्रमुख समाजसेवी और गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में शामिल होंगे। समारोह का मुख्य आकर्षण 'मदद भूषण सम्मान 2025' होगा, जो उन निस्वार्थ समाजसेवियों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। यह सम्मान उन व्यक्तियों के समर्पण और प्रयास को मान्यता देगा जो दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।मदद फाउंडेशन विगत तीन वर्षों से अपनी 'रविवार की रसोई' के माध्यम से हजारों जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान ला रहा है। हर रविवार को गरीब, निराश्रित, दिव्यांग व्यक्तियों और फुटपाथ पर जीवन यापन करने वालों को निःशुल्क भोजन और पानी वितरित करके संस्था ने समाज सेवा का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस पुनीत कार्य का समस्त खर्च मदद फाउंडेशन की टीम अपनी व्यक्तिगत आय का 10% हिस्सा निकालकर वहन करती है, जो उनकी गहरी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संस्था के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने बताया कि मदद फाउंडेशन प्रयागराज के साथ-साथ अन्य जिलों और प्रदेशों में भी रविवार की रसोई का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है, जिससे हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

उन्होंने अपने भविष्य के लक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹हमारा लक्ष्य प्रत्येक जनपद में रविवार की रसोई स्थापित कर निराश्रित और फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को भोजन के साथ-साथ अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराना है।₹ यह स्थापना दिवस मदद फाउंडेशन के निस्वार्थ सेवाभाव और जरूरतमंदों के प्रति उनके अटूट समर्पण को और मजबूत करेगा, साथ ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित होगा।

ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड 2025: भोजपुरी के बेस्ट पी.आरो. इंद्रपाल निषाद को मिला सम्मान

भारत संवाद

भोजपुरी सिनेमा की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले इंद्रपाल निषाद को इस साल ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड 2025 में भोजपुरी के बेस्ट पी आरो का सम्मान दिया गया। यह सम्मान उनकी वर्षों की मेहनत, का फल हैजौनपुर के मूल निवासी इंद्रपाल निषाद ने भोजपुरी सिनेमा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे फिल्मों के प्रोमोशन और पब्लिसिटी के क्षेत्र में नए प्रयोगों के लिए जाने जाते हैं। अवार्ड शो का आयोजन विजय पांडेय द्वारा किया गया था, जिसमें भोजपुरी सिनेमा के कई सितारे शामिल हुए। लोकप्रिय अभिनेता यश कुमार और अभिनेत्री माही खान ने होस्ट किया। कार्यक्रम में उपस्थित भोजपुरी इंडस्ट्री के कलाकारों और फिल्मकारों ने इंद्रपाल निषाद को बधाई दी और कहा कि यह सम्मान उनके अथक प्रयासों का नतीजा है।इंद्रपाल निषाद ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा, यह सम्मान मेरे लिए प्रेरणा है। भोजपुरी सिनेमा के प्रचार और उन्नति के लिए मैं हमेशा समर्पित रहूंगा।ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड का उद्देश्य भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में कार्यरत कलाकारों, तकनीशियनों और रचनात्मक लोगों को सम्मानित कर उनके योगदान को पहचान दिलाना है। इस साल के अवार्ड शो में कई अन्य श्रेणियों में भी कलाकारों को सम्मानित किया गया, लेकिन इंद्रपाल निषाद को मिला यह सम्मान इंडस्ट्री में चर्चा का खास विषय बना हुआ है।

'वर्तमान ब्राह्मणों की दशा और दिशा तथा एकता के उपाय' विषय पर विशेष संगोष्ठी आयोजित

भारत संवाद

झूसी।ब्रह्मसमाज सेवा समिति की ओर से टीकरमाफी आश्रम, झूसी में महंत स्वामी हरि चैतन्य ब्रह्मचारी जी की अध्यक्षता में 'वर्तमान ब्राह्मणों की दशा और दिशा तथा एकता के उपाय' विषय पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी जी ने कहा कि शेरों का संघ नहीं होता। ब्राह्मण पूरे हिंदू समाज के कल्याण के लिए कार्य करता है।संस्थाध्यक्ष डॉ०बिजेन्द्र तिवारी विजयानन्द ने कहा कि हमें स्वयं को मजबूत करना होगा तभी समाज मजबूत होगा और सरकारों में हमारी सुनी जाएगी। वार्षिक कार्यक्रम हेतु उन्होंने बताया कि स्मारिका हेतु आलेख ,विज्ञापन, मानकों पर छात्र-छात्राओं के प्रमाण पत्र, वयोवृद्धों के निर्वाचन पत्र/आधार की छायाप्रति 30 अगस्त 2025 तक कार्यालय में जमा करा दें। कार्यक्रम का शुभारंभ संचालक रमेश त्रिपाठी जी ने वैदिक मंत्रों से करते हुए संस्था का विधिवत परिचय दिया। संस्था के महामंत्री अभय नारायण तिवारी ने ब्राह्मणों की दशा और दिशा पर अपने विचार रखे। संगठन मंत्री कृष्ण मोहन तिवारी तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष गंगा प्रसाद त्रिपाठी ने भी ब्राह्मण की दशा और दिशा पर रोचक वक्तव्य दिया। सभागार कई बार तालियों की झगड़ाहट से गूंज उठा।कार्यक्रम में सर्वश्री ब्रज रमण पांडेय,ज्योतिशंकर चौबे,कृष्णमोहन तिवारी, जयप्रकाश त्रिपाठी , महेशचंद्र मिश्र, कृष्णचंद्र दुबे,कमलाकांत शुक्ल,चिन्तामणि मिश्र, देवराज शुक्ल, अवधनारायण मिश्र, डॉ०जनार्दन प्रसाद मिश्र,चंद्रकरण तिवारी,श्रीमती सत्या तिवारी, संजय कुमार मिश्र, अनिल कुमार तिवारी, अखिलेश त्रिपाठी,हरीश कुमार,दिलीप कुमार,पवन कुमार, इंद्रमणि मिश्र, ममलेश्वर तिवारी,राजेश पांडेय, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, ताराशंकर उपाध्याय, राजेश कुमार उपाध्याय, सुधीर द्विवेदी,त्रिभुवन पांडेय, गंगा प्रसाद त्रिपाठी, कृष्ण कुमार, नागेंद्र कुमार द्विवेदी, स्वामी गुलाम,मनोज कुमार शुक्ल आदि ने भी अपने सुझाव दिए।स्वागताध्यक्ष स्वामी हर्ष ब्रह्मचारी जी ने सभी का आभार प्रकट किया।

श्रावण माह के दूसरे सोमवार के अवसर पर शिवभक्ति और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम

22 जुलाई हमारे राष्ट्र ध्वज तिरंगे को अपनाए जाने का ऐतिहासिक दिन

- शिवभक्ति और राष्ट्रभक्ति एक ही धारा के स्वरूप देवभक्ति के साथ देशभक्ति : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज पूरा देश श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भगवान शिव की भक्ति में लीन है, वही दूसरी ओर यह दिन भारत के इतिहास में एक और विशेष स्मृति को सजीव करता है। 22 जुलाई 1947 को, भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को औपचारिक रूप से स्वीकार किया था। यह हमारी स्वतंत्रता, एकता और देशभक्ति का अमिट चिन्ह है। देशभर के लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा के माध्यम से गंगा जी का जल भरकर नीलकंठ महादेव व अन्य शिवधामों तक पहुंचते हैं और शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। यह भक्ति, सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। ऐसे में जुलाई माह में शिवभक्ति और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम हो रहा है जो हमें देवभक्ति के साथ देशभक्ति का संदेश दे रहा है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज एकता, शांति और प्रगति का प्रतीक है। तिरंगे का केसरिया रंग बलिदान, साहस और आत्मशक्ति का प्रतीक है, सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का द्योतक है और हरा रंग समृद्धि, प्रगति और प्रकृति के साथ संतुलन का संदेश देता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित अशोक चक्र, धर्म, न्याय और निरंतर गति का प्रतीक है, भारत को सांस्कृतिक चेतना और श्रेष्ठ संकल्पों का स्मरण कराता है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि कांवड़ यात्रा में दिखने वाली निष्ठा, अनुशासन और सेवा की भावना तिरंगे में समाहित मूल्यों की सजीव अभिव्यक्ति है। हर वह श्रद्धालु जो जल लेकर पैदल चलता है, वह एक जीवंत उदाहरण है उस सेवा भाव का, जो शिव के प्रति समर्पण के साथ-साथ राष्ट्र के लिए भी प्रेरणास्पद है। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा का सड़कों पर एक अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। श्रद्धा, समर्पण और संकल्प से भरे हुए हजारों कांवड़ियाँ, उनके कंधों पर गंगाजल से भरे कांवड़, हाथों में एक ओर भगवान शिव की ध्वजा और दूसरी ओर तिरंगा। यह दृश्य धार्मिक भक्ति के साथ राष्ट्रीय-सांस्कृतिक संदेश भी है। जब कांवड़ यात्री शिव की ध्वजा के साथ तिरंगा लेकर निकलते हैं, तो वे यह स्पष्ट संदेश है कि धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। धर्म आत्मिक चेतना का स्रोत है और राष्ट्र उस चेतना का कार्यक्षेत्र है। शिवभक्ति हमें भीतर से जागृत करती है, हमारे विचारों को निर्मल बनाती है, अहंकार को भस्म करती है और करुणा, क्षमा व सेवा का भाव जगाती है। वहीं, तिरंगा हमें हमारी बाह्य जिम्मेदारियों की ओर प्रेरित करता है, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, समाज के प्रति सेवा और संविधान के प्रति निष्ठा का स्मरण कराता है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि देव भक्ति व देश भक्ति का यह समन्वय ही भारत की आत्मा है, जहां पूजा में परमात्मा है और कर्म में राष्ट्रधर्म। यही भाव भारत को एक अद्वितीय राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। आज जरूरत है कि हम इसी भावना को अपनाएं और शिवभक्ति को राष्ट्रभक्ति में परिवर्तित करें।

जयहिन्द सिंह हिन्द सामाजिक सरोकारों के कवि

भारत संवाद / देवेन्द्र तिवारी देव

आजमगढ़ः साहित्यिक एवं शैक्षिक संस्थान,निधि शैक्षिक एवं शोध संस्थान आजमगढ़ द्वारा प्रोफेसर गीता सिंह शिक्षक श्री अध्यक्ष स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग डी ए वी पी जी कॉलेज आजमगढ़ की अध्यक्षता में 20 जुलाई 2025 को शहर के प्रतिष्ठित नेहरू हाल सभागार में एक भव्य कवि सम्मेलन एवं पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में जनपद आजमगढ़ के कवि श्री जय हिंद सिंह हिंद की नव प्रकाशित द्वितीय काव्य संग्रह गीत नया गाना होगा का भव्य लोकार्पण हुआ मुख्य वक्ता आलोचक,समीक्षक प्रधान संपादकः सत्राची त्रैमासिक पत्रिका,प्रोफेसर कमलेश वर्मा अध्यक्ष स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी वाराणसी ने अपने उद्बोधन में कहा कि -श्री जय हिंद सिंह हिंद की रचनाएं हिंदी साहित्य के लिए नए विचार लेकर आई है। समारोह अध्यक्ष प्रोफेसर गीता सिंह ने जय हिंद सिंह हिंद जी को उनके जन्म दिन की बधाई दी और कहा सभी कविताएं एक से बढ़कर एक हैं।इस अवसर पर संस्था द्वारा श्री जय हिंद सिंह हिंद को साहित्य रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गयाअपने उद्बोधन में कार्यक्रम संरक्षक साहित्यकार प्रोफेसर अखिलेश चन्द्र ने कहा कि श्री जय हिंद सिंह हिंद की इस पुस्तक के अभिमत लिखने के दौरान मुझे लगा कि आप के अंदर एक सच्चा मानव निवास करता है ।आप जैसे अंदर हैं वैसे ही बाहर।आपकी रचनाएं सीधे समाज की समस्या के समाधान को ढूंढती है। श्री राम वचन यादव पूर्व डी आई जिला आजमगढ़ ने पुस्तक प्रकाशन की बधाई दी।पुस्तक पर चर्चा करते हुए श्री देवेन्द्र तिवारी देव ने जयहिन्द जी की रचनाओं को सामाजिक सरोकारों से युक्त बताते हुए उनकी एक रचना का पाठ किये जितेंद्र नाथ सिंह पूर्व प्रवक्ता हिंदी गांधी इंटर कॉलेज माल्टारी आजमगढ़ ने कहा कि - श्री जय हिंद सिंह हिंद जी मेरे इंटर के छात्र रहे हैं। ये एक होनहार छात्र हैं यद्यपि ये विज्ञान के विद्यार्थी है पर मेरे हिन्दी पढ़ाने का इन पर इतना गहरा प्रभाव पड़ा और आज मैं इनके जैसा विद्यार्थी पाकर धन्य हो गया।

कल्पना शर्मा को एक करोड़ सेल्फी विथ लाभार्थी अभियान मे प्रदेश मे तृतीय स्थान मिलने पर सम्मान

भारत संवाद / योगेश शर्मा

एक करोड़ सेल्फी विथ लाभार्थी अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय योगदान देने पर अयोध्या स्तिथ दी रामायण होटल मे आयोजित कार्यक्रम मे इगलास की कल्पना शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त करने ह्यी लिए सम्मनित किया गया !इस अवसर पर उन्हें भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय गीता शाक्य जी,प्रदेश महामंत्री आदरणीय रश्मि रावल जी एवं प्रदेश मंत्री आदरणीय ममता पांडे जी द्वारा सम्मनित किया गया.कार्यक्रम मे महिला सशक्तिकरण एवं लाभार्थी जुड़ाव अभियान मे उनके प्रयासों की प्रशंसा की गयी. ब्रज क्षेत्र की साथ बहनो को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया.ब्रज क्षेत्र की साथ बहने कल्पना शर्मा,सविता शर्मा (मण्डल अध्यक्ष बदायूँ),राधा शर्मा,(महानगर) उपासना शर्मा, सविता शर्मा,राधा शर्मा (मण्डल अध्यक्ष,महिला मोर्चा खैर) डॉली पाराशर है.

जनपद अलीगढ़ की तहसील इगलास नवागततहसीलदार सतीश चंद्र बघेल ने रात 11.45 बजे किया कांवड़ मार्ग का औचक निरीक्षण

कांवड़ यात्रियों की सुविधाओं में नहीं आने दी जाएगी कोई कमी –तहसीलदार -बघेल

संजय भारद्वाज

इगलासः सावन मास में कांवड़ यात्रा पूरे उत्साह के साथ जारी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं का जायजा लेने के लिए इगलास तहसीलदार श्री सतीश चंद्र बघेल ने सोमवार देर रात 11:45 बजे अपनी राजस्व टीम कानूनगो मोहम्मद शरीफ, लेखपाल मकरध्वज के साथऔचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने यात्रा मार्ग पर जलभराव, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा व्यवस्था और विश्राम स्थलों की स्थिति को देखा और मौके पर तैनात अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। तहसीलदार बघेल ने कहा कि कांवड़ यात्रा श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है, इसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारा प्रयास है कि हर कांवड़ यात्री को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण मिलसके उन्होंने नगर पंचायत कर्मियों को निर्देशित किया कि मार्गों की लगातार सफाई हो, कूड़े-कचरे की तुरंत निकासी की जाए और रात्रि में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था रहे। स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट रहने के लिए कहा गया, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके। रात्रिकालीन निरीक्षण के दौरान कांवड़ यात्रियों ने प्रशासन की सक्रियता की सराहना की और कहा कि इस प्रकार का निरंतर निरीक्षण उन्हें सुरक्षा और सुविधा का भरोसा देता है।प्रशासन द्वारा स्थापित अस्थाई चिकित्सा शिविर, पेयजल स्टॉल और विश्राम स्थलों की नियमित निगरानी की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को हरसंभव सहयोग मिल रहा है।तहसीलदार इगलास द्वारा गोंडा गोरई इगलास खेड़िया आदिस्थलों का निरीक्षण किया

जिला अधिकारी की अध्यक्षता में मासिक विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

डीएम संजीव रंजन ने दिए गुणवत्ता, गति और पारदर्शिता पर जोर देने वाले निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों की प्रगति और विभागीय प्रदर्शन की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने प्रदेश स्तर पर जारी विकास रैंकिंग में अलीगढ़ के प्रदर्शन को लेकर चिंता जताते हुए अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि जुलाई माह की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा लापरवाही पर कार्रवाई तय है।विकास योजनाओं की समीक्षा और निदेर्शःडीएम ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्ताव शासन को प्रेषित करने की पुष्टि की और पीओ नेडा को खराब स्ट्रीट लाइट्स की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

फास्ट ट्रैक

बनखंडी महादेव मंदिर पर श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक, देवीराम नंबरदार ने कराया था मंदिर निर्माण

सावन सोमवार पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, मनोकामनाएं लेकर शिवलिंग पर चढ़ाई कांवड़

भारत संवाद / योगेश शर्मा

इगलास (अलीगढ़): श्रावण मास के पावन अवसर पर कस्बा इगलास स्थित बनखंडी महादेव मंदिर में आज सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने गंगाजल से शिवलिंग का जलाभिषेक किया और अपने परिवार की सुख-शांति व मनोकामना पूर्ति की कामना की। सुबह से ही मंदिर प्रांगण हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालु महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में दूर-दूर से कांवड़ लेकर पहुंचे और भक्तिभाव से भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया।

देवीराम नंबरदार ने कराया था मंदिर निर्माण

यह प्राचीन शिवालय स्थानीय प्रतिष्ठित व्यक्ति स्व. देवीराम नंबरदार द्वारा बनवाया गया था। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, देवीराम जी को शिवभक्ति में विशेष आस्था थी और उन्होंने इस पवित्र स्थान पर शिवलिंग की स्थापना कर मंदिर का निर्माण कराया था।तभी से यह स्थान बनखंडी महादेव मंदिर के रूप में विख्यात हो गया।

सावन में विशेष मान्यता

श्रावण मास में इस मंदिर पर जलाभिषेक करने से विशेष पुण्य और शिव कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना शिव शीघ्र पूर्ण करते हैं।

प्रशासन की रही कड़ी निगरानी

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन व नगर पंचायत द्वारा सुरक्षा, सफाई, पेयजल व अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी गई थीं। स्वयंसेवकों व सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह जलपान व सहायता केंद्र भी लगाए गए थे।

मेघा विद्युत बिल समाधान शिविर का हुआ आयोजन, सैकड़ों उपभोक्ताओं की समस्याएं हुईं दूर

EEN धर्मेंद्र कुमार व SDO सुरेंद्र कुमार रहे मौजूद

भारत संवाद / संजय भारद्वाज

अलीगढ़, 21 जुलाई 2025: विद्युत उपभोक्ताओं की लंबित समस्याओं के निस्तारण हेतु आज नगर क्षेत्र में मेघा विद्युत बिल समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन बिजली विभाग द्वारा किया गया, जिसमें सैकड़ों उपभोक्ताओं ने भाग लिया और अपने बिजली बिल से संबंधित विविध समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। शिविर में अधीक्षण अभियंता (EEN) धर्मेंद्र कुमार व अवर अभियंता (SDYO) सुरेंद्र कुमार की मौजूदगी में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उन्हें त्वरित समाधान प्रदान किया।

शिविर में प्रमुख समाधान की गई समस्याएं:

गलत बिलिंग/ओवर बिलिंग की जांच और संशोधन

पुराने लंबित बकाया में राहत व समझौता योजना

मीटर रीडिंग में त्रुटि सुधार

एकमुश्त समाधान योजना (OTS) की जानकारी और सुविधा

नए कनेक्शन व नाम परिवर्तन संबंधी प्रक्रिया की जानकारी

EEN धर्मेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए कहा, विभाग का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देना है। समाधान शिविर इसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जिससे उपभोक्ता अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के सामने रख सकें। रऊड सुरेंद्र कुमार ने भी शिविर में मौजूद रहकर निरीक्षण किया और मौके पर कई मामलों का तुरंत निस्तारण कराया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को हर संभव सुविधा देने के लिए विभाग पूरी तरह तत्पर है।शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति यह दशार्ती है कि विभाग की यह पहल उपभोक्ताओं के हित में अत्यंत लाभकारी रही

हर घर से हो शुरूआत, हर दिल में हो हरियाली का सपना, अलीगढ़ में मनोज अलीगढ़ी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण का हुआ भव्य आयोजन

हर घर हो हराभरा यह संकल्प हमारा - मनोज

डोली शर्मा संवाददाता- भारत संवाद

अलीगढ़। स्मार्ट शहर अलीगढ के ऐतिहासिक घंटा घर पार्क में रविवार को एक अद्भुत, प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला, जब शहर के प्रबुद्ध वर्ग, शिक्षित समुदाय व समाजसेवी एक मंच पर एकत्र हुए। अवसर था स्वतंत्र पत्रकार मनोज अलीगढ़ी द्वारा आयोजित पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का, जिसमें पर्यावरण प्रेमियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। सभी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए शपथ ली। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था हर नागरिक के मन में हरियाली की अलख जगाना कर यह संदेश देना था कि पर्यावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर जागरूक नागरिक का कर्तव्य है। इस कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सभी अतिथियों और पर्यावरण प्रेमियों को पौधे उपहारस्वरूप भेंट किए गए, जिससे चेहरे पर प्रसन्नता के वातावरण में सकारात्मकता झलकने लगी।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बलजीत सिंह, उपनिदेशक उद्यान अलीगढ़ मंडल ने बताया कि हमारा विभाग आमजन को फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, विशेष रूप से महिलाओं को कुटीर उद्योगों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। वन विभाग के रेंजर गौरव सिंह ने जानकारी दी कि सरकार द्वारा 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि समाज का पढ़ा-लिखा तबका अब पर्यावरण की चिंता करने लगा है। सहकारी बैंक के प्रबंधक मनोज कुमार सागर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, और जब समाज के प्रबुद्धजन इसमें आगे आएंगे तो यह एक जनांदोलन का रूप ले सकता है।दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में इमरजेंसी प्रभारी रोज मैरी भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण अनिवार्य है और ऐसे आयोजन हमें सजग करने का काम करते हैं। उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग फेडरेशन एनआईएस कोच सोम प्रकाश ने भी अपने विचार साझा किए और युवाओं को इस दिशा में सक्रिय होने का आह्वान किया। तारा सिंह बांगड़ी, गुरुद्वारा साहिब कमेटी प्रमुख तथा वरिष्ठ पत्रकार आलोक सिंह ने इस प्रयास की सराहना की और मनोज अलीगढ़ी की इस पहल को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम संयोजक मनोज अलीगढ़ी ने सभी अतिथियों को सम्मान स्वरूप गुलदस्ता भेंट करते हुए कहा कि बढ़ती आबादी और औद्योगिक विकास के चलते हमने प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। अब वक्त आ गया है कि हम सभी अपने-अपने स्तर पर प्रयास करें। प्रबुद्ध वर्ग को आगे आना होगा, क्योंकि उनके प्रयासों से समाज में जागरूकता की गति तेज होती है। पर्यावरण एवं पर्यटन विकास समिति के प्रबंधक सचिव रंजन राना ने मनोज अलीगढ़ी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने एक सराहनीय पहल की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

- माह जून में सड़क दुर्घटनाओं एवं मृतकों की संख्या में वृद्धि पर जताई कड़ी नाराजगी
- ब्लैक स्पॉट से इतर संभावित दुर्घटना वाले स्थानों पर सुरक्षात्मक प्रबंध करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जून 2024 के सापेक्ष 2025 में 72 के सापेक्ष 103 सड़क दुर्घटनाएं एवं 38 के सापेक्ष 63 मृतकों की संख्या पाए जाने पर डीएम ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि हाईवे एवं अन्य दुर्घटना बाहुल्य ऐसे स्पॉट जो कि किसी कारणवश ब्लैक स्पॉट में शामिल नहीं है उन स्थानों पर प्राथमिकता से सभी सुरक्षात्मक प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी सड़कों का भ्रमण कर भविष्य की संभावित दुर्घटना वाले स्थानों पर पूर्व से ही सुरक्षात्मक प्रबंध करें ताकि आकस्मिक सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने सघन अभियान चलाते हुए सभी पेट्रोल पंप के आसपास सुरक्षात्मक उपायों के साथ ही अवैध कट को बंद कराए जाने एवं उनकी एंट्री व एक्जिट प्वाइंट को दुरूस्त कराए जाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सूत मिल चौराहे पर जाम की समस्या के दृष्टिगत एआरएम रोडवेज को बसों का बस अड्डे के अंदर से ही संचालन कराए जाने के कड़े निर्देश दिए ताकि सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

किसानों के हक की लड़ाई हमेशा लड़ता रहेगा भारतीय किसान यूनियन (भानु) - कृष्णा ठाकुर

भाकियू भानु के प्रदेश मिडिया प्रभारी ने कहा खाद की किल्लत दूर करे सरकार-सुमित

गोपाल शर्मा संवाददात/ भारत संवाद

अलीगढ। गभाना भारतीय किसान यूनियन (भानु) के युवा जिला अध्यक्ष कृष्णा ठाकुर ने लोधा क्षेत्र के गांव जिरोली डोर मे किसानों की विभिन्न समस्यायों का निस्तारण कराने के लिए बैठक आयोजित कर किसानों से चर्चा की ।बैठक की अध्यक्षता राजेश कुमार सिंह ने एवं संचालन विजय कुमार सिंह ने किया जिला अध्यक्ष कृष्णा ठाकुर ने कहा कि इस समय किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए बिजली की अत्यंत आवश्यकता है लेकिन किसानों को बिजली विभाग रोस्टर के अनुसार बिजली की आपूर्ति नही कर पा रहा है किसानों को रोस्टर के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित की जाये , प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित ठाकुर ने कहा कि सहकारी समितियों पर खाद की किल्लत है किसानों को पर्याप्त मात्रा मे समितियों पर खाद उपलब्ध किया जाये अन्यथा की स्थिति मे भारतीय किसान यूनियन (भानु) जिले की सहकारी समितियों पर तालाबंदी कर आंदोलन के लिए बाध्य होगा । युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर ने संगठन का विस्तार करते हुए देवेन्द्र कुमार को तहसील अध्यक्ष कोल , मनीष ठाकुर को जिला उपाध्यक्ष, पंकज कुमार तहसील उपाध्यक्ष, हरीश सूर्यवंशी तहसील महासचिव, रिंकू सिंह तहसील सचिव , प्रदीप प्रधान तहसील उपाध्यक्ष , सोनू तहसील संगठन मंत्री, संजय सिंह तहसील प्रभारी कोल , राम कुमार तहसील महामंत्री , इस दौरान महानगर अध्यक्ष शेर मोहम्मद , जिला सचिव विजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु पंडित, गौरव, संदीप सिंह, पंकज ठाकुर, रुपेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे ।

राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान रू लम्बित वादों के समाधान का सुनहरा अवसर

भारत संवाद

अलीगढ़ ,(सू0वि0): न्यायिक प्रक्रिया में लंबित मामलों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। अलीगढ़ में यह अभियान माननीय जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अनुपम कुमार के निर्देशन में संचालित हो रहा है। इस अभियान के तहत दीवानी न्यायालय, परिवार न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सहित वाह्य स्थित न्यायालयों में लंबित मामलों का समाधान मध्यस्थता एवं सुलह केन्द्र, एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय परिसर, अलीगढ़ के माध्यम से किया जा रहा है। अभियान के तहत निम्न प्रकृति के मामलों का समाधान सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा। वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति के बंटवारे, वेदखली, भूमि अधिग्रहण एवं अन्य उपयुक्त दीवानी विवाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलीगढ़ के पूर्णकालिक सचिव एवं अपर जिला जज श्री नितिन श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए वादकारियों से अपील की है

आरंभ में झूमे छात्र, आदित्य मिस्टर व नव्या बनी मिस फ्रेशर

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के मंगलायतन आयुर्वेद एंड रिसर्च सेंटर में फ्रेशर्स के स्वागत के लिए आरंभ फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जिससे परिसर में शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। सीनियर विद्यार्थियों ने अपने जूनियर्स का पारंपरिक और गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की त्रिवेणी गीत, संगीत और नृत्य ने सबका मन मोह लिया। मंच पर प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत और उत्साही बना दिया।कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने छात्रों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने विद्यार्थियों को नए सफर की शुभकामनाएं दीं। प्रिंसिपल डा. मनोज शर्मा ने डाक्टर बनने से पहले एक अच्छा इंसान बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशर आदित्य सिंह व मिस फ्रेशर का खिताब नव्या अनंत को मिला। वहीं मिस्टर वेल ड्रेस शुभम गुप्ता व मिस वेल ड्रेस स्मृति चुनी गईं। खेल प्रतियोगिताओं में आदित्य सिंह व दिव्यांशु वर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. अर्पित शाह, डा. अंकित लाकरा, डा. ऐश्वर्या बाबू, डा. प्रतिभा शामिल रहे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में तुषार अहमद, आयुष साहू, मुस्कान तिवारी, शिवांगी सौदे, विदुषी श्रीवास्तव, जाहिद खान का विशेष योगदान रहा। संचालन गौरव चैधरी, विवेक सारस्वत, अलवीरा सिद्दीकी, मुनीर अंजुम ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर डा. राजेश धाकड, डा. वेद प्रकाश, डा. हेमंत, डा. मनोज सहित संस्थान के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम मिर्जा फहीम अहमद MIRZA FAHEEM AHMAD से बदल कर फहीम अहेमद मोईन अहेमद मिर्झा FAHEEM AHEMAD MOIN AHEMAD MIRZA पुत्र मोईन अहेमद मिर्झा MOIN AHEMAD MIRZA निवासी ग्राम अघिया, पोस्ट कुंडा, जनपद प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश), पिनकोड-230204 रख लिया है। अब फहीम अहेमद मोईन अहेमद मिर्झा के नाम से जाना व पहचाना जाए।

फहीम अहेमद मोईन अहेमद मिर्झा पुत्र मोईन अहेमद मिर्झा निवासी ग्राम अघिया, पोस्ट कुंडा, जनपद प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश), पिनकोड- 230204

डीईओ द्वारा ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था को परखा गया

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन द्वारा ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया।इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा, संरचना और ईवीएम की स्थिति का गहन परीक्षण किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि वेयरहाउस में बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपैट मशीनें सुरक्षित रूप से संग्रहित हैं। प्रक्रिया के दौरान वेयरहाउस की सील को सभी दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला गया और निरीक्षण उपरांत पुनः विधिवत रूप से सील कर दिया गया। वेयरहाउस निरीक्षण के समय भाजपा से उदयवीर सिंह लोधी, सुभाष गुप्ता, बसपा से अशोक सिंह, सपा से मोहम्मद शाकिर, कांग्रेस से नदीम गफूर उपस्थित रहे।

सांप के डसने युवती की मौत

बकरी बांधने गई थी, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

सुलतानपुर, लंभुआ थाना क्षेत्र के खुनशेखपुर गांव में सर्प दंश से एक युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान हरीराम की 20 वर्षीय पुत्री अंतिमा के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब अंतिमा घर के बगल स्थित टीन शेड में बकरी बांधने गई थी। वहां बैठे एक सांप ने उसे डस लिया। परिजनों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत उसे निजी अस्पताल ले गए। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवती की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

आज दिनांक 21-07-2025 को इफको द्वारा जनपद हाथरस में मंडी के समागार में एक बिक्री केंद्र प्रभारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ कार्यक्रम के प्रारंभ में जनपद हाथरस के प्रगतिशील किसान गेंदालाल रावत के द्वारा समस्त बिक्री केंद्र प्रभारियों को बताया गया कि नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस जैसे तरल उर्वरकों का प्रयोग करके किसान अपनी आय को दुगना कर रहे हैं क्योंकि यह नवीनतम उत्पाद है इसके प्रचार प्रसार के लिए आप लोग एक अच्छा माध्यम हो सकते हैं साथ ही खेती से संबंधित कई अन्य पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की इसके बाद IFFDC आगरा मंडल प्रमुख बृजेश सिंह भदोरिया के द्वारा IFFDC के कार्यों के बारे में अवगत कराया साथ ही बिक्री केंद्र प्रभारियों को बताया गया कि जो भी उर्वरक आप लोगों के द्वारा किसान लोगों को वितरित किया जाए उसका स्टाक रजिस्टर में साथ-साथ अंकित करते रहें उन्होंने सभी बिक्री केंद्र प्रभारी को और अधिक अच्छा कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया कार्यक्रम का संचालन कर रहे इफको क्षेत्र अधिकारी अभिषेक तिवारी द्वारा सभी उद्यम कताओं को नैनो यूरिया प्लस के महत्व के बारे में बताया कि किस प्रकार एक बोतल नैनो यूरिया प्लस एक बोरी को प्रतिस्थापित करती है उसके साथ ही उन्हें नैनो डीएपी तरल के प्रयोग एवं लाभ के बारे में विस्तृत चर्चा की और उन्हें नैनो जिंक एवं नैनो कॉपर के उपयोग के बारे में बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे उप महाप्रबंधक र ड द्वारा नैनो यूरिया प्लस नैनो डीएपी सागरिका लिक्विड एवं कंसोटिया के प्रयोग एवं इफको के अन्य उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

औषधीय फसल स्टीविया आमदनी बढ़ाये

स्टीविया मूलतः पेरुग्वे का पौधा है परंतु इसकी खेती मुख्यत : कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब तथा राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले में प्रारंभ हो चुकी है। इसके पत्तों का स्वाद मीठा होता है, सूखी हुई पत्तियों में 3 से 20 प्रतिशत स्टीवियोसाइड होता है। यह मधुमेह रोगियों में इन्सुलिन की मात्रा को घटाता है साथ ही त्वचा के कैंसर की दवाई, दंत मंजन बनाने व रक्त चाप कम करके उसे नियंत्रित करता है।

जलवायु एवं मिट्टी

स्टीविया की फसल वर्षा को सहन कर लेती है उचित जल निकास आवश्यक है। मिट्टी रेतीली दोमट जिसका पीएच 6 से 7.5 के मध्य हो उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी तथा पौध रोपण

स्टीविया की खेती एक पंचवर्षीय फसल के रुप में की जाती हैं अतः खेत की जुताई दो से तीन बार कर उसमें 3 टन केचुंआ खाद अथवा 6 टन कम्पोस्ट खाद के साथ 120 किग्रा प्रॉम जैविक खाद खेत में मिलानी चाहिए। मिट्टी जनित रोगों तथा दीमक से सुरक्षा के लिए प्रति एकड़ 150 से 200 किग्रा नीम की पिसी हुई खल भी खेत की तैयारी के समय मिला दी जाती है।

नर्सरी में इसकी पौध को कटिंग, बीज अथवा टिश्यू कल्चर से तैयार किया जाता है। कलम से तैयार पौधे अच्छे चलते हैं। स्टीविया का रोपण मेड़ों पर किया जाता है ये 1 से 1.5 फीट ऊंची व 2 फीट चौड़ी रखी जाती है। पौधे से पौधे के मध्य 6 से 9 इंच व कतार से कतार 40 सेमी की दूरी रखते हैं। इस प्रकार एक एकड़ में 30 से 40 हजार पौधे लग जाते हैं। रोपण का उपयुक्त माह जुलाई–अगस्त व मार्च–अप्रैल है।

प्रजातियां

विश्वभर में स्टीविया की लगभग 90 प्रजातियां हैं। वर्तमान में स्थानीय जलवायु में एसआरबी–123 जिसकी वर्ष में 5 कटाई ली जा सकती है तथा एसआरबी–512 (चार कटाई) व एसआरबी 120 प्रमुख हैं।

सिंचाई

इसकी फसल को वर्ष भर निरंतर सिंचाई की आवश्यकता होती हैं। स्प्रिंकलर के उपयोग के अलावा इसकी सिंचाई ड्रिप विधि से अधिक फायदेमंद है।

कटाई व पत्तियों को सुखाना

रोपण के लगभग चार माह के उपरांत भूमि से 15 से 20 सेमी की ऊंचाई तक फसल की कटाई करें। कटाई का कार्य पौधों पर फूल आने से पूर्व करें। आगे की कटाई प्रथम कटाई से 3–3 माह पर करते हैं। कटाई के बाद प्रायः 3 से 4 दिन तक पत्तों को छाया में सुखाया जाता है जिससे ये पूर्णतया नमी रहित हो जाते हैं।

उपज

बहुवर्षीय फसल होने के कारण स्टीविया की उपज में प्रत्येक कटाई के साथ बढ़ोत्तरी होती जाती है। चार कटाईयों से लगभग 2 से 4 टन पत्तियां प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता है। औसतन फसल से वर्ष भर में लगभग 2.5 टन सूखे पत्ते प्राप्त होते हैं।

पैकिंग व शुद्ध लाभ

सूखी हुई पत्तियों को प्लास्टिक के बैगों में सील पैक कर भर दिया जाता है। इसकी खरीद देश की कई प्रमुख कंपनियां कर रही हैं तथा कई इसे पुर्नखरीदी आधार पर प्रोत्साहित भी कर रही हैं। इसकी बिक्री दर 80 से 120 रुपये प्रति किग्रा तक है। लागत को घटाकर एक अनुमान के मुताबिक करीब एक लाख रुपये प्रति हैक्टेयर शुद्ध लाभ बनता है। अच्छी तकनीक से उपजायी गयी सूखी पत्तियों के पाउडर का मूल्य कृषक को दो सौ रुपये प्रति किलो तक मिल सकता है।

खरपतवार नियंत्रण एवं निराई-गुड़ाई

खरपतवार निकालने का कार्य हाथों से ही किया जाना चाहिये तथा इस हेतु रसायनिक खरपतवारनाशी काम में न लें।

पोषक तत्वों की आवश्यकता

फसल की निरंतर वृद्धि के लिए खाद के साथ–साथ प्रत्येक कटाई के बाद 500 किग्रा केचुंआ खाद व 30 किग्रा प्रॉम जैविक पौधों के पास डालना चाहिए। फसल में रसायनिक उर्वरकों एवं टॉनिकों का प्रयोग न करें।

पौध संरक्षण

नियमित अंतरालों पर गोमूत्र अथवा नीम तेल का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल रोगों व कीटों से मुक्त रहती हैं।

सही बकरी ज्यादा मुनाफा

वैज्ञानिक ढंग से बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अतः ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं। इसके अलावा उनका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होना चाहिये और वो 9 माह की उम्र में कम से कम 25 किलोग्राम तथा 12 माह की उम्र में 30 किलोग्राम तक पहुंच जाना चाहिये। प्रयोगों के आधार पर पाया गया कि दो नस्लों के संकर नस्ल के मेमनों का शरीर भार अच्छा होता हैं तथा उसका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होता हैं। अतः देशी नस्ल की अवर्णित बकरियों की अपेक्षा वर्णित नस्ल की शुद्ध नस्ल की बकरियां जैसे मारवाड़ी, कच्छी, जमुनापारी, उस्मानाबादी, संगमनिरी आदि नस्लों की बकरियां या संकर नस्ल की बकरियाँ पालना चाहिए।

कोई भी बकरी चुनाव करने से पहले उसके माता–पिता की वंशावली यानि माता–पिता के बारे में तथा उनके पुर्नउत्पादन/प्रजनन तथा उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी उपलब्ध हैं तो अवश्य देखनी चाहिए। बकरी फार्म पर सभी बकरियों का शरीर भार हर माह नाप–तौलकर उसे अंकित कर रख लेना चाहिए। इससे उनकी बढ़वार, शरीरभार वृद्धि के बारे में सही जानकारी मिल जाती हैं।

एक खास बात यह है कि जिस मादा बकरी से भूतकाल में 3 से 4 मेमने प्राप्त हुए हैं यानि प्रसव उपरांत ज्यादा मेमने पैदा हुए हैं ऐसी बकरी से प्राप्त नर तथा मादा मेमनों का चुनाव करें क्योंकि उनमें उनकी माता में मौजूद ज्यादा मेमने पैदा करने के गुणसूत्र मौजूद होते हैं। ऐसी बकरियां पालने से भविष्य में ज्यादा लाभ अर्जित कर सकते हैं। इन मूलभूत आनुवांशिक बातों के अलावा अनुभव के आधार पर कुछ शारीरिक बाह्यस्वरूपी लक्षण होते हैं उन्हें मद्दे नजर रखते हुए बकरियों का चुनाव करें तो ऐसी बकरियों की बढ़वार, शरीर वृद्धि दर उत्पादन तथा पुर्नउत्पादन क्षमता अच्छी हो सकती हैं तथा उन्हें पालने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता हैं।

नर बकरा हष्ट–पुष्ट, ऊंचा बलवान, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरवाला, उसकी आंखें सजीली चमकदार होनी चाहिए। चमड़ी नर्म मुलायम, चमकदार होनी चाहिए। सींग पूर्ण रूप से विकसित, जननांग पूर्ण रूप से विकसित, बिना किसी विकृति होने चाहिए। उसकी लैंगिक क्षमता, कामेच्छा बढ़िया होनी चाहिए तथा वह फुर्तीला होना चाहिए। उसे कोई भी लैंगिक रोग जैसे बुसेल्लोसिस, ट्राइकोमोनियासिस आदि नहीं होने चाहिए। उसकी उम्र डेढ़ से दो साल होनी चाहिए।

मादा बकरियाँ भी हष्टपुष्ट, निरोगी पूर्ण रूप से विकसित, चमकदार बाल तथा आंखें, सजग कान, तिकोना शरीरधारी, पसलियाँ चौड़ी, जांघे चौड़ी, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरधारी, मेमनों को अच्छी तरह संभालने वाली, बड़े स्तन तथा अयनधारी और बिना कोई विकृति या किसी लैंगिक रोग से मुक्त होनी चाहिए।

संघटित बकरीफार्म जैसे कुछ निजी फार्म, राज्य सरकारों के अधीन पशुसंवर्धन विभागों के बकरी फार्म, कृषि विज्ञान केंद्र कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीन कार्यरत केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम पोस्ट फराह, जिला–मथुरा उत्तरप्रदेश जैसे कई स्थान हैं जहां से अच्छे नस्ल की बढ़िया बकरियां प्राप्त की जा सकती हैं।

ऐसी अच्छी आदर्श बकरियां वैज्ञानिक ढंग से अच्छा खानपान तथा रखरखाव करने पर ज्यादा मेमने पैदा करती हैं। उनका वृद्धिदर शरीर भार अच्छा तथा ज्यादा होता हैं। उनसे ज्यादा मांस तथा दूध प्राप्त होता है। वे ज्यादा जल्दी बिक्री योग्य हो जाते हैं और इस प्रकार ऐसी बकरियां तथा उनके उत्पादन (दूध, मां, बाल) बेचकर ज्यादा लाभ कमाया जा सकता हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

पशुओं को कैसे बचाएं खुरपका मुंहपका से

यह रोग विषाणु से होने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह रोग फटे खुर वाले पशुओं में होता है। इस रोग को विभिन्न जगहों पर अलग अलग नाम से जाना जाता है। खुसीरा, खुरा, खुरपका इत्यादि। सामान्यतः यह रोग गाय, भैंस, बकरी, भेंड एवं सूकर पशुओं में होता है। इस रोग से काफी संख्या में छोटी उम्र के पशु मर सकते हैं। किंतु व्यस्क पशुओं में इस रोग के कारण मृत्यु दर 5 प्रतिशत अथवा इससे भी कम होती है। यह रोग बहुत तेजी से फैलने वाला रोग है तथा कभी–कभी यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

फैलने के कारण

- रोगी पशु की लार, दूषित चारे, पानी, दूध गोबर एवं पेशाब से
- ग्वालें एवं हवा के माध्यम से, एक से दूसरे पशु में। ● रोग से संक्रमित स्थान से पशु क्रय करके लाने पर। ● रोगी पशु से सीधे सम्पर्क से
- इस रोग के विषाणु रोगी पशु के फैफड़ों के सूख जाने के बाद घास या चारागाह में गिर जाते हैं, जब इस संक्रमित घास को स्वस्थ पशु खाता है, तो स्वस्थ पशु में यह रोग फैल जाता है।

लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में पशु सुस्त होता हैं। ● चारा खाना कम कर देता है।
- दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। ● पशु को बहुत तेज बुखार आ जाता है। (106 फारेनहाइट तक)
- एक दो दिन के बाद मुंह तथा पैर में छाले पड़ जाते हैं।
- मुंह में छाले होने से लार टपकने लगती है।
- रोगी पशु लंगडाने लगता है, कभी–कभी घाव में छाले में कीड़े पड़ जाते हैं।
- कभी–कभी पशु के थन पर छाले पड़ जाते हैं जिससे थनैला रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। ● छालों के फूटने से घाव भी बन जाते हैं।

उपचार

खुरपका– मुंहपका रोग एक विषाणु जनित रोग है। अतः इस रोग का कोई सीधा उपचार नहीं होता है। एक बार रोग हो जाने पर केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। इस रोग में रोगी पशु की प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने से पशु में अन्य रोगों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जिसके बचाव के लिए उपचार किया जाता है।

उपचार के निम्न बिन्दु हैं

- रोगी पशु के मुंह तथा पैर के घावों को लाल दवा (पोटेशियम परमेंगनेट) से प्रतिदिन सुबह और शाम सफाई करें।
- पैर के घावों में यदि कीड़े पड़ गये हैं, तो फिनायल में मीठा तेल मिलाकर (1:1) उस घोल में सूती कपड़े को भिगोकर घाव में भर दें। जिससे कीड़े बाहर आ जायेंगे। इसके अलावा तारपीन का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।
- रोग की तीव्रता बढ़ने पर पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें।

रोकथाम

विषाणु जनित रोग होने से इस रोग का उपचार संभव नहीं है अतः हमें ज्यादा इस रोग की रोकथाम पर ध्यान देना चाहिए। जिससे कि यह रोग रोगी पशु से स्वस्थ में न फैले। रोग की रोकथाम निम्नानुसार करें।

- रोगी पशु को अन्य स्वस्थ पशु से अलग रखे।
- रोगी पशु को नदी, तालाब, पोखर आदि में पानी पीने नहीं दें, रोगी पशु की खान–पान की व्यवस्था अलग करें।
- बीमार पशुओं का इलाज करायें एवं स्वस्थ पशुओं को टीकाकरण करायें।
- रोगी पशुओं के बाड़ें में पशुपालक अलग कपड़ों व जूतों का प्रयोग करें एवं बाहर आने पर हाथ–पैर धोकर कपड़े व जूते बदल लें।
- मृत पशुओं के शव को गहरा गड्ढा खोदकर उसमें नमक व चूना डालकर दफनाना चाहिए अथवा जला दें।
- निकट के पशु चिकित्सक को रोग की सूचना दें।
- इस रोग के बचाव के लिए टीकाकरण अवश्य कराए, खुरपका मुह पका रोग का टीका साल में दो बार मई–जून तथा अक्टूबर–नवम्बर में लगवायें।

ट्रम्प ने ओबामा की गिरफ्तारी का एआई वीडियो शेयर किया

एफबीआई ने कॉलर पकड़कर गिराया, हथकड़ी लगाई, पास में बैठे मुस्कुराते दिखे प्रेसिडेंट

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की गिरफ्तारी का एआई से बना वीडियो पोस्ट किया है। इस वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि बराक ओबामा को एफबीआई एजेंट व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में गिरफ्तार कर रहे हैं। वीडियो में ओबामा को ट्रम्प के पास बैठे दिखाया गया है। इसके बाद 3 एजेंट्स आते हैं। एजेंट्स ओबामा का कॉलर पकड़कर उन्हें धक्का देकर नीचे गिरा देते हैं और उनके हाथों में हथकड़ियां लगाते हैं। पास में ही बैठे ट्रम्प यह सब देखकर मुस्कुरा रहे हैं। वीडियो के अंत में ओबामा जेल की पोशाक में एक सेल के अंदर नजर आते हैं। वीडियो की शुरूआत ओबामा के एक पुराने बयान से होती है, जिसमें वे कहते हैं, कोई भी, खासकर राष्ट्रपति भी कानून से ऊपर नहीं है।ङ इसके बाद कई डेमोक्रेटिक नेताओं की क्लिप

जोड़ी गई है, जिनमें जो बाइडेन भी शामिल हैं, जो दोहराते हैं झ कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। इस वीडियो को लेकर ट्रम्प की ओर से कोई सफाई नहीं दी गई है कि यह वीडियो फर्जी है। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक दृश्य है। इस वीडियो की वजह से ट्रम्प की खूब आलोचना हो रही है। कई लोगों ने इसे उकसाने वाला बताया और कहा कि एक राष्ट्रपति का इस तरह के फर्जी वीडियो शेयर करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। ट्रम्प ने कुछ हफ्ते पहले ही ओबामा पर प्रशासन पर 2016 के चुनाव में उनके खिलाफ चुनावी धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इससे पहले अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने भी ट्रम्प पर 2016 के चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया। गबार्ड ने कहा कि ओबामा और उनके प्रशासन के कई सीनियर अधिकारियों ने मिलकर एक देशद्रोही साजिश रची थी। इनका मकसद यह साबित करना था कि ट्रम्प की 2016 की राष्ट्रपति चुनाव में जीत रूस की मदद से हुई थी। गबार्ड ने कहा कि इस साजिश का हिस्सा वह मशहूर रिपोर्ट भी थी, जिसे एक ब्रिटिश खुफिया विश्लेषक क्रिस्टोफर स्टील ने तैयार किया था। गबार्ड का कहना है कि इस रिपोर्ट को अमेरिकी एजेंसियों ने अविश्वसनीय माना था, इसके बावजूद इसे सबूत की तरह इस्तेमाल किया गया। गबार्ड ने ओबामा के अलावा जिन लोगों को साजिश में शामिल बताया है, उनमें उस समय के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक जेम्स क्लैपर, पूर्व सीआईए निदेशक जॉन ब्रेनन, तत्कालीन विदेश मंत्री जॉन कैरी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुजैन राइस, एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर एंड्रयू मैक्केब के नाम हैं। गबार्ड के ऑफिस ने जो दस्तावेज जारी किए हैं, उनमें से एक का शीर्षक है रूस होक्स (यानी रूस को लेकर गढ़ा गया झूठ)। इस रिपोर्ट में 9 दिसंबर 2016 को ओबामा की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम की बैठक का जिक्र है।

इसमें कहा गया है कि उस मीटिंग के बाद खुफिया एजेंसियों के कुछ अफसरों ने वॉशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थानों को जानबूझकर गलत जानकारी लीक करनी शुरू की, जिसमें कहा गया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने के लिए साइबर हथियारों का इस्तेमाल किया।

जापान में पीएम इशिबा की पार्टी ऊपरी सदन में हारी

1955 के बाद पहली बार दोनों सदनों में बहुमत नहीं, प्रधानमंत्री पर इस्तीफे का दबाव

एजेंसी

टोक्यो, जापान में प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी दल ने देश के ऊपरी सदन में अपना बहुमत खो दिया है। हालांकि उन्होंने साफ कर दिया है कि वो प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। जापानी संसद के उच्च सदन में कुल 248 सीटें हैं। इशिबा के गठबंधन के पास पहले से 75 सीटें थीं। बहुमत बनाए रखने के लिए उन्हें इस चुनाव में कम से कम 50 नई सीटों की जरूरत थी, लेकिन उन्हें केवल 47 सीटें ही मिल पाईं। इनमें से अकेले एलडीपी को 39 सीटें मिली हैं। एक सीट का नतीजा अभी आना बाकी है

यह हार पीएम इशिबा के लिए दूसरी बड़ी राजनीतिक असफलता है। इससे पहले अक्टूबर में निचले सदन का चुनाव हारने के बाद अब यह गठबंधन दोनों सदनों में अल्पमत में चला गया है। एलडीपी की स्थापना 1955 में हुई थी, और यह पहला मौका है जब उसने दोनों सदनों में बहुमत खो दिया है। यह चुनाव उस वक्त हुआ जब जापान में मंहगाई बढ़ रही है और अमेरिका द्वारा लगाए जा सकने वाले टैरिफ को लेकर लोगों में चिंता है।

बीबीसी के मुताबिक इन मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ नाराजगी देखी गई। चुनाव में हार के बावजूद प्रधानमंत्री इशिबा ने साफ कहा कि वो पद नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए काम करते रहेंगे और अमेरिका के टैरिफ जैसे मुद्दों से निपटने की कोशिश करेंगे। हालांकि पिछले तीन प्रधानमंत्रियों ने जब उच्च सदन में बहुमत खोया था, तो उन्होंने दो महीनों के भीतर इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में इशिबा पर भी दबाव बढ़ सकता है। अगर वे हटते हैं तो एलडीपी में नई लीडरशिप की दौड़ शुरू हो सकती है। इसमें कई बड़े नाम जैसे साने ताकाइची, ताकायुकी कोबायाशी और शिंजिरो कोइजुमी शामिल हैं। जापान में अक्टूबर 2024 में हुए चुनाव में एलडीपी-कोमेतो गठबंधन को 465 में से सिर्फ 215 सीटें मिली थीं। यहां बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए। एलडीपी सबसे बड़ी पार्टी रही। कोई दूसरा गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं था। मुख्य विपक्षी दल सी.डी.पी.जे को 148 सीटें मिलीं। बाकी विपक्षी पार्टियां आपस में बंटी हुई हैं।

विपक्ष नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाना चाहता था, लेकिन इशिबा ने चेतावनी दी कि ऐसा हुआ तो वे संसद भंग करके दोबारा चुनाव कराएंगे। जिससे विपक्ष पीछे हट गया।

इजराइल के सीरिया पर हमले से ट्रम्प नाराज

रिपोर्ट में दावा- व्हाइट हाउस बोला- नेतन्याहू पागल हो गए, बच्चों जैसी हरकतें कर रहे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, इजराइल के सीरिया पर हमले से ट्रम्प नाराज हैं। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस, इजराइली बेंजामिन नेतन्याहू के बर्ताव पर नाखुशी जाहिर की है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने नेतन्याहू को पागल और ऐसा बच्चा जो सही व्यवहार नहीं करता तक कह दिया है। व्हाइट हाउस का मानना है कि नेतन्याहू बेकाबू हो गए हैं और इस तरह काम कर रहे हैं, जैसे उनके पीछे कोई राजनीतिक एजेंडा हो। एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक्सियोस को बताया कि बीबी (नेतन्याहू) पागलों जैसी हरकतें कर रहे हैं। वह हर जगह बम गिरा रहे हैं। इससे ट्रम्प की शांति कायम करने की कोशिशें कमजोर हो रही हैं। इजराइल ने सीरिया के ड्रूज (शिया) बहुल शहर स्वेदा में सीरियाई सेना के टैंकों पर हमला किया था, क्योंकि वहां स्थानीय सरकार पर नागरिकों की हत्या के आरोप लगे थे। इसके बाद इजराइल ने बुधवार को राजधानी दमिश्क पर भी हमला किया और कई इमारतों को निशाना बनाया। अमेरिका, गाजा के चर्च पर हमले से भी नाराज इससे पहले गाजा में इजराइली टैंक की बमबारी में एकमात्र कैथोलिक चर्च पर हमला हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। इजराइली सेना ने इसे गलती बताया, लेकिन अमेरिकी प्रशासन में इससे गुस्सा फैल गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, ङहर दिन कुछ नया हो रहा है। ये सब क्या बकवास है? रिपोर्ट में कहा गया है कि सीरिया पर

इजराइली हमला ट्रम्प प्रशासन के लिए पूरी तरह चौंकाने वाला था। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि गाजा के चर्च पर हुए हमले के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू को फोन कर जवाब मांगा। हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस चर्च हमले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया, लेकिन उन्होंने नेतन्याहू को फोन किया और नाराजगी जताई। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को इस हमले पर माफी मांगनी चाहिए, जिसके बाद नेतन्याहू ने एक बयान जारी किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि इस घटना पर ट्रम्प खुश नहीं हैं। सीरिया पर हमला व्हाइट हाउस के लिए इसलिए भी समस्या बन गया क्योंकि ट्रम्प उस देश में शांति लाना चाहते हैं और वहां पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका की बड़ी भूमिका की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल ने 17 जुलाई को गाजा में होली फैमिली चर्च पर हमला किया था। इसमें 3 लोगों की मौत हुई थी। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी ने बताया कि ट्रम्प ने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही सीरियाई इलाकों पर इजराइल के नियंत्रण को समर्थन दिया था और तब से सैन्य कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी। लेकिन अब जब शिया ड्रूज लड़ाके और सुन्नी बेडौइन कबीले एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और सरकारी बल भी इसमें शामिल हो गए हैं, तब हालात काफी बिगड़ गए हैं। खबरों के अनुसार, सीरियाई सरकारी बलों ने महिलाओं और बच्चों की हत्या की, घर लूटे और ड्रूज धार्मिक नेताओं की मूंछें तक काट दीं। इसके जवाब में ड्रूज लड़ाकों ने सीरियाई सैनिकों की पिटाई की और उनके शवों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। पिछले एक हफ्ते में अब तक 1,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं – इनमें 336 ड्रूज लड़ाके, 298 आम ड्रूज नागरिक, 342 सीरियाई सैनिक और 21 बेदोइन लड़ाके शामिल हैं।

पन्नू बोला-अमेरिका में 15 अगस्त को खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालेंगे

इसके 2 दिन बाद जनमत संग्रह करेंगे; तिरंगा जलाने की धमकी दी

एजेंसी

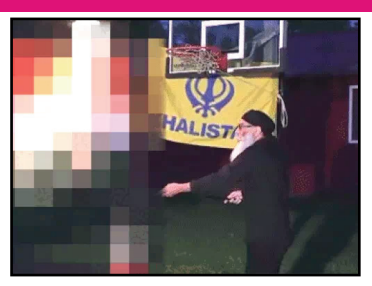

अमृतसर, खालिस्तानी आतंकी सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी करके 15 अगस्त को अमेरिका खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालने का ऐलान किया है। रैली अमेरिकी की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के बाहर निकाली जाएगी। इसके दो दिन बाद यहीं खालिस्तान के समर्थन में जनमत संग्रह किया जाएगा। वीडियो में पन्नू ने तिरंगा जलाने की भी

धमकी देते हुए कहा- तुमने पाकिस्तान पर हमला किया और वो बच गया। हम हिंदुस्तान को तबाह कर देंगे। वीडियो की शुरूआत में पन्नू कहता दिख रहा है कि 15 अगस्त सिख पंथ और पंजाब की आजादी का दिन नहीं है। 1950 का संविधान सिख धर्म को हिंदू धर्म का हिस्सा बताता है। जून 1984 गोल्डन टेंपल पर हमले के बाद ये तिरंगा श्री अकाल तख्त साहिब पर चढ़ाया गया था। उस दिन लाइन खींच दी गई थी। एक तरफ हिंदुस्तानी और हिंदूवादी थे और दूसरी तरफ थे पंजाब और सिख। वीडियो में पन्नू ने आगे कहा- इसी तिरंगे के नीचे दिल्ली में नरसंहार हुआ है। 30 हजार सिख शहीद किए गए। नरसंहार के बाद विधवा कॉलोनी सिर्फ सिख पंथ की है। ये कलंक हमारे माथे पर है। उस कलंक को मिटाने के लिए ये तिरंगा और हिंदुस्तान दुनिया के नक्शे से मिटाना पड़ेगा। 1984 से 1995 तक पंजाब में खून की होली खेली है। सारा पंजाब नरसंहार की भेंट किया। करीब 6 महीने पहले गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी किया था। इसमें उसने भारत में खालिस्तान यानी अलग देश के लिए जनमत संग्रह शुरू करने की बात कही थी।

खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की, नड्डा बोले- सरकार तैयार

एजेंसी

संसद के मानसून सत्र की सोमवार को हंगामेदार शुरूआत हुई। विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले, बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और अन्य मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग की। दूसरी ओर, सरकार जीएसटी, खनन, खेल आदि से संबंधित विभिन्न विधेयकों पर चर्चा करने वाली है। राज्यसभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर के विवरण पर चर्चा की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता। जवाब में, भाजपा के जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है।खड़गे ने कहा कि मैंने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। आज तक, आतंकवादियों को पकड़ा या बेअसर नहीं किया गया है। सभी दलों ने सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया। उन्होंने पूछा कि सरकार को हमें बताना चाहिए कि क्या हुआ है। जम्मू-कश्मीर के एलजी ने बयान दिया था कि खुफिया विफलता थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 24 बार दावा किया है

राज्यसभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर के विवरण पर चर्चा की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता। जवाब में, भाजपा के जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है।

कि संघर्ष विराम केवल उनके हस्तक्षेप के कारण हुआ।खड़गे को जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार सदन में ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकवादियों को करारा जवाब दिया, उससे हमने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि किसी के मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि यह सत्र ऑपरेशन सिंदूर का उत्सव है और हम इसे मनाने जा रहे हैं। जो लोग अपने देश और उसकी सेना पर गर्व करते हैं, वे ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न जरूर मनाएंगे और हम इसी भावना के साथ संसद में प्रवेश कर रहे हैं।

वो आज भी जस्टिस वर्मा हैं, आपके दोस्त नहीं, मर्यादा रखिए...

सीजेआई गवई ने वकील को फटकारा, एफआईआर की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से किया इनकार

वकील ने कहा कि इस याचिका पर तत्काल विचार करना जरूरी है। वकील ने कहा कि इसे खारिज करना असंभव है। एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। अब लगता है वर्मा यही मांग कर रहे हैं। एफआईआर होनी चाहिए, जाँच होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने आरोपी जज को 'वर्मा' कहने पर वकील को फटकार लगाई और कहा कि वह वकील का दोस्त नहीं है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से नकदी मिलने के मामले में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग ठुकरा दी। वकील मैथ्यूज नदुम्पारा ने मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ से आग्रह किया कि इस मुद्दे पर यह उनकी तीसरी याचिका है और इस पर तत्काल सुनवाई पर विचार किया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि याचिका को उचित समय पर सूचीबद्ध किया जाएगा। पीटीआई ने मुख्य न्यायाधीश गवई के हवाले से कहा कि क्या आप चाहते हैं कि इसे अभी खारिज कर दिया जाए इसका जवाब देते हुए, वकील ने कहा कि इस याचिका पर तत्काल विचार करना जरूरी है। वकील ने कहा कि इसे खारिज करना असंभव है। एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। अब लगता है वर्मा यही मांग कर रहे हैं। एफआईआर होनी चाहिए, जाँच होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने आरोपी जज को 'वर्मा' कहने पर वकील को फटकार लगाई और कहा कि वह वकील का दोस्त नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, क्या वह आपके दोस्त हैं? वह अभी भी जस्टिस वर्मा हैं। आप उन्हें कैसे संबोधित करते हैं? थोड़ी मयार्दा रखिए। आप एक विद्वान जज की बात कर रहे हैं। वह अभी भी अदालत के जज हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर 100 से ज्यादा सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। रिजिजू ने बताया कि इनमें से 40 सांसद कांग्रेस पार्टी के हैं, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल हैं।8 मई को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने संसद को न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की अनुमति दी थी। उन्होंने जाँच के निष्कर्षों पर एक रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी भेजी थी। चूंकि मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है, इसलिए यह प्रस्ताव कभी भी पेश किया जा सकता है। घटना की जांच कर रहे जांच पैनल की रिपोर्ट में कहा गया था कि न्यायमूर्ति वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था, जहां बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी।

शिक्षा व्यवस्था में कुछ गड़बड़...

आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय में आत्महत्याओं पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

अदालत ने कहा कि उसे लगता है कि मामले में 'कुछ गड़बड़' है। अदालत ने पूछा कि क्या दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज की गई थी। साथ ही, यह भी कहा कि अगर कोई गड़बड़ी पाई गई तो वह अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगी। अदालत ने मामले में सहायता करने और मामले का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट को न्यायमित्र नियुक्त किया।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शारदा विश्वविद्यालय और आईआईटी खड़गपुर में आत्महत्याओं के मामलों का स्वतः संज्ञान लिया। शीर्ष अदालत ने दोनों संस्थानों को तलब किया और पूछा कि क्या पुलिस को समय पर मामले की जानकारी दी गई थी। अदालत ने कहा कि उसे लगता है कि मामले में 'कुछ गड़बड़' है। अदालत ने पूछा कि क्या दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज की गई थी। साथ ही, यह भी कहा कि अगर कोई गड़बड़ी पाई गई तो वह अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगी। अदालत ने मामले में सहायता करने और मामले का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट को न्यायमित्र नियुक्त किया। शारदा विश्वविद्यालय आत्महत्या मामलाग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में शनिवार रात बीडीएस द्वितीय वर्ष की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही छात्रा के परिजन भी मौके पर पहुँच गए। पुलिस को छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। छात्रा ने डेंटल विभाग की एक महिला और एक पुरुष शिक्षक पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

आप सरकार चलाएं, निशांत को सौंपें जेडीयू की कमान....

उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश को दी नसीहत

उपेंद्र कुशवाहा ने एक्स पर लिखा कि मीडिया/सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज बड़े भाई आदरणीय नीतीश कुमार जी के सुपुत्र निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जेडीयू की नई उम्मीद निशांत को जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

एजेंसी

एनडीए के घटक दल और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) की कमान छोड़ने की सलाह देते हुए कहा कि अब उनके लिए सरकार और पार्टी दोनों को एक साथ संभालना संभव नहीं रहा। इसके साथ ही, कुशवाहा यह सुझाव देने वाले भाजपा और जदयू के पहले सहयोगी बन गए। नीतीश के पुराने मित्र कुशवाहा ने उनके बेटे निशांत को जन्मदिन की बधाई देते हुए यह बात कही और उन्हें जद(यू) की नई उम्मीद भी बताया। उपेंद्र कुशवाहा ने एक्स पर

लिखा कि मीडिया/सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज बड़े भाई आदरणीय नीतीश कुमार जी के सुपुत्र निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जेडीयू की नई उम्मीद निशांत को जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर उसे हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रखें। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा कि इस अवसर पर आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी दोनों का (साथ-साथ) संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है।उन्होंने कहा कि सरकार चलाने का उनका लंबा अनुभव है जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिलता रहे, यह फिलहाल राज्य हित में अतिआवश्यक है। परन्तु पार्टी की जवाबदेही के हस्तांतरण (जो वक्त मेरी ही नहीं स्वयं उनकी पार्टी के हजारों कार्यकताओं/नेताओं की राय में अब आ चुका है) के विषय पर समय रहते ठोस फैसला ले लें। यही उनके दल के हित में है। और इसमें विलंब दल के लिए अपूर्णीय नुकसान का कारण बन सकता है। शायद ऐसा नुकसान जिसकी भरपाई कभी हो भी नहीं पाये। हालांकि, अपने पोस्ट के नोट में कुशवाहा ने यह भी लिखा कि मैं जो कुछ कह रहा हूं, जदयू के नेता शायद मुख्यमंत्री जी से कह नहीं पाएंगे और कुछ लोग कह भी सकते हों, तो वैसे लोग वहां तक पहुंच ही नहीं पाते होंगे।